राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 01 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-193 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू-कश्मीर में दुर्घटनावश गोली लगने से सैनिक की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदेरबल जिले में दुर्घटनावश गोली लगने से सैनिक की मौत हुई है। अधिकारियों ने बताया कि सेना की राष्ट्रीय राइफल्स के कांस्टेबल छोटू कुमार मानसबल इलाके में पहुंचने के बाद एक ट्रक से कूद रहे थे, तभी उनकी सर्विस राइफल से दुर्घटनावश गोली चल गई। अधिकारियों ने बताया, ''उनकी राइफल का 'ट्रिगर' गलती से दब गया। कांस्टेबल कुमार को ठोड़ी के नीचे गोली लग गई जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

एयर इंडिया के विमान में आग के संकेत के बाद दिल्ली लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानों में आए दिन कुछ न कुछ खराबी की खबरें आ रहीं हैं। इसी बीच आज दिल्ली से इंदौर जा रहा एयर इंडिया का एक विमान रविवार को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग का संकेत मिलने के चलते वापस लौट आया। विमान में सवार सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एयरलाइन ने बिना कोई और जानकारी दिए कहा, 31 अगस्त को दिल्ली से इंदौर के लिए उड़ान भरने वाला एआई 2913, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दिल्ली लौट आया क्योंकि कॉकपिट क्रू को दाहिने इंजन में आग का संकेत मिला था। एयर इंडिया ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विमान को जांच के लिए रोक दिया गया है और यात्रियों को एक दूसरे विमान में शिफ्ट किया जा रहा है, जो जल्द ही इंदौर के लिए उड़ान भरेगा। एयर इंडिया ने बताया कि मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए, कॉकपिट क्रू ने इंजन बंद कर दिया और दिल्ली लौट आया, जहां विमान सुरक्षित रूप से उतरा। एयरलाइन ने कहा कि हवाई सुरक्षा नियामक डीजीसीए को घटना के बारे में जानकारी दे दी गई है।

सितंबर में फिर शुरु होगी चारधाम यात्रा, अब तक 27.57 लाख तीर्थयात्री कर चुके दर्शन

चमोली (एजेंसी)। मानसून के थमते ही सितंबर में चारधाम यात्रा शुरु हो जाएगी। बद्रीनाथ एवं केदारनाथ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी यह बात बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कही। उन्होंने बताया कि कपाट खुलने से 29 अगस्त तक बदरीनाथ धाम में 1285296 और केदारनाथ धाम में 1472385 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। इस तरह दोनों धामों में 2757681 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। बता दें वर्तमान में बरसात के मौसम में हुई अतिवृष्टि आपदा से प्रदेश को जन धन की क्षति हुई है उसका असर चारधाम यात्रा पर भी हुआ है, यात्रा मार्ग कई बार भूस्खलन से अवरुद्ध हो रहे हैं। उन्होंने बताया एसडीआरएफ एनडीआरएफ सहित पुलिस प्रशासन तीर्थयात्रियों की मदद कर रहे हैं। बद्रीनाथ केदारनाथ यात्रा अवरोधों के बावजूद चलती रही है। उन्होंने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि मौसम की स्थिति एवं पूर्वानुमान का आंकलन कर ही यात्रा करें।

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में युद्ध कौशल 3.0 बड़ा युद्ध अभ्यास किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहां एक ओर चीन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के मतभेदों को खत्म करने की कोशिश की हैं वहीं, दूसरी और भारत दुनिया को दिखा रहा हैं कि वह अपनी भूमि के साथ एक इंच का भी समझौता नहीं करेगा। इसी कड़ी में भारतीय सेना ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के कामेंग क्षेत्र में युद्ध कौशल 3.0 नामक एक बड़ा युद्ध अभ्यास किया है। यह अभ्यास ऊंचे, दुर्गम इलाकों और कठोर मौसम की स्थितियों में युद्ध की तैयारियों को परखने के लिए किया गया था। इस अभ्यास में ड्रोन, एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और अन्य उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य यह दिखाना था कि भारतीय सेना भविष्य के युद्धों के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें जमीन, हवा, अंतरिक्ष और साइबर जैसे कई डोमेन में एक साथ काम करने की क्षमता को प्रदर्शित किया गया। अभ्यास में खास तौर पर अश्विनी प्लाटूनों को भी शामिल किया गया, जो नई तकनीकों और युद्ध रणनीतियों को मिलाकर काम करते हैं। यह अभ्यास तब हुआ है जब चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर अपनी दावेदारी करता रहा है। यह अभ्यास चीन को यह सीधा संदेश देता है कि भारत अपनी सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है और अपनी जमीन के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा। यह दिखाता है कि भारत कूटनीतिक बातचीत के साथ-साथ अपनी सैन्य ताकत को भी लगातार मजबूत कर रहा है।

सीवर टैंक में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर देहात में दुखद घटना सामने आई है, जहाँ बिगाही गांव में एक नवनिर्मित सीवर टैंक में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई। इस घटना में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब एक मजदूर मुबीन (26) शटरिंग हटाने के लिए सीवर टैंक में उतरा और जहरीली गैस के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मुबीन को बचाने के लिए उसके साथी मजदूर सर्वेश कुशवाहा (32) और मकान मालिक सुरेंद्र गुप्ता उर्फ अमन (22) भी टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस के प्रभाव में आकर अपनी जान गँवा बैठे। मुबीन के भाई इसरार (22) ने भी उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह भी गैस से प्रभावित हुआ। लोगों ने सभी को बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने मुबीन, सुरेंद्र और सर्वेश को मृत घोषित कर दिया। इसरार का इलाज अभी भी जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये सभी युवक बिना किसी सुरक्षा उपकरण के टैंक में उतरे थे, जो इस हादसे का एक मुख्य कारण बना। इस घटना की जाँच जारी है।

मनोज जरांगे का अनशन जारी, बोले-मराठा आरक्षण पाने के लिए यह अंतिम लड़ाई

-बातचीत के लिए रिटायर्ड जज को भेजने की सीएम फडणवीस की आलोचना की

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे और सरकार द्वारा नियुक्त प्रतिनिधिमंडल के बीच शनिवार को बातचीत बेनतीजा रही। मुंबई के आजाद मैदान में जरांगे का अनशन रविवार को भी जारी रहा। मुंबई पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन के लिए दी गई अनुमति शनिवार को एक और दिन के लिए बढ़ा दी। आजाद मैदान स्थित धरना स्थल और उसके आसपास यातायात प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों की भीड़ के कारण वाहनों की आवाजाही पर असर पड़ा। कुछ प्रदर्शनकारियों को सड़कों पर नहाते देखा गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मनोज जरांगे ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश संदीप शिंदे को बातचीत के लिए भेजे जाने पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की आलोचना की। न्यायमूर्ति शिंदे मराठा आरक्षण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष हैं। जरांगे ने कहा कि

मराठों को आरक्षण देने की घोषणा करने वाला सरकारी प्रस्ताव जारी करना न्यायमूर्ति शिंदे का काम नहीं है। सीएम फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की मांगों को कानूनी और संवैधानिक ढांचे के भीतर पूरा करने के लिए काम कर रही है। वहीं, एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा था कि इन मुद्दों को हल करने के लिए एक संवैधानिक संशोधन जरुरी है, क्योंकि कुल आरक्षण की एक सीमा है। जरांगे ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों के लिए 10 फीसदी आरक्षण की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि सभी मराठाओं को ओबीसी के तहत आने वाली कृषि प्रधान जाति ''कुनबी'' के रूप में मान्यता दी जाए, ताकि समुदाय के लोगों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण मिल सके। जरांगे ने कहा कि यह आंदोलन आरक्षण पाने के लिए समुदाय की ''अंतिम लड़ाई'' है। बता दें मनोज जारंगे पाटिल मराठा आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार से आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर हैं और शनिवार को राज्य सरकार ने पहली बार उनसे चर्चा शुरू की। न्यायमूर्ति शिंदे ने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ शनिवार को भूख हड़ताल स्थल पर जारंगे पाटिल से मुलाकात की। दोनों के बीच करीब 40 मिनट तक चर्चा हुई। जारंगे ने पुरजोर मांग की कि सरकार को यह फैसला सुनाना चाहिए कि मराठवाड़ा के मराठा कुनबी हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि हैदराबाद-सतारा राजपत्र के मुताबिक सभी को कुनबी प्रमाण पत्र दिए जाएं। वहीं न्यायमूर्ति शिंदे ने कहा कि हैदराबाद राजपत्र में मिले कुनबी रिकॉर्ड मिल गए हैं और उन्हें और समय दिया जाना चाहिए। यह कहते हुए कि प्रमाण पत्र रविवार से शुरू किए जाने चाहिए, उन्हें इसके लिए एक मिनट का भी समय नहीं दिया जाएगा, जारंगे ने स्पष्ट किया कि आरक्षण के मुद्दे पर उन्हें और समय नहीं मिलेगा।

भाजपा राष्ट्रहित में काम करती है और इसके लिए कुर्बानी देती : गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के उन आरोप का खंडन किया है कि भारतीय जनता पार्टी यूज एंड थ्रो (इस्तेमाल करो और छोड़ दो) की राजनीति करती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रहित में काम करती है और इसके लिए कुर्बानी भी देती रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अखिलेश यादव से ही यह सवाल किया कि उन्हें कब इस्तेमाल किया गया था, क्योंकि बीजेपी राष्ट्र के लिए काम करती है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश ने बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में हिस्सा लेकर बीजेपी पर आरोप लगाया था कि वहां लोगों और पार्टियों को इस्तेमाल करके छोड़ देती है। गिरिराज सिंह ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर भी हमला बोला। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के बयान को लेकर उन्होंने कहा कि यह टीएमसी का दुर्भाग्य है और ममता बनर्जी को इसके लिए माफी माँगनी चाहिए। उन्होंने टीएमसी को मुड़ कटवा पार्टी कहकर कहा कि जब उनके खिलाफ कोई चुनाव जीतता है, तब उस लटका दिया जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि टीएमसी को गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि इस तरह के मजाक का उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। चुनाव आयोग द्वारा तीन लाख लोगों को नोटिस भेजे जाने के मामले पर, गिरिराज सिंह ने आयोग के कदम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत का नागरिक ही वोट देगा, और जो नागरिक नहीं है, उसे वोट देने का अधिकार नहीं है।

आज गदाईपुर फार्महाउस में शिफ्ट होने वाले पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़, यहीं होगा उनका अस्थायी पता

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अगले सप्ताह छतरपुर के गदाईपुर फार्महाउस में शिफ्ट होने वाले हैं। शहरी विकास मंत्रालय ने उनके लिए सरकारी बंगला आंवटित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ अगले हफ्ते सोमवार को 15 गदाईपुर फार्महाउस में शिफ्ट होने वाले हैं। चूंकि धनखड़ को अभी तक सरकारी बंगला अलॉट नहीं हुआ है। इसके बाद बंगले की मरम्मत और साज-सज्जा पूरी होने तक वे अस्थायी रूप से छतरपुर फार्महाउस में रहने वाले है।

सरकार के सूत्रों का कहना था कि धनखड़ ने शहरी विकास मंत्रालय को पत्र लिखकर नियमों के तहत मिलने वाले सरकारी आवास की मांग की है। हालांकि मंत्रालय ने अभी तक उन्हें बंगला अलॉट नहीं किया है। शहरी विकास मंत्रालय के अधीन आने वाले डायरेक्टर ऑफ एस्टेट ने धनखड़ के लिए 34 एपीजे अब्दुल कलाम मार्ग स्थित टाइप-8 का बंगला खाली कराया है, लेकिन सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों की ओर से उपराष्ट्रपति सचिवालय को बताया हैं कि इस बंगले की मरम्मत और साज-सज्जा का काम पूरा होने में करीब तीन महीने का समय लगेगा। परंपरा के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री को दिल्ली के लुटियन जोन में टाइप-8 श्रेणी का बंगला आवंटित होता है। इसके अलावा, अगर वे चाहें उन्हें उनके पैतृक स्थान पर दो एकड़ भूमि दी जाती है। धनखड़ ने अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति का पद संभाला था और 21 जुलाई 2025 को उन्होंने अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अब उन्हें सरकारी आवास की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

उत्तराखंड में 24 घंटों में 369 फीसदी ज्यादा बारिश, पुल बहा, गांवों से संपर्क टूटा

-कई जिलों में भूस्खलन, बाढ़ से जनहानि, बागेश्वर सबसे ज्यादा प्रभावित

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड में पिछले 24 घंटों में करीब 369 फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई, जिससे कई जिलों में भूस्खलन, अचानक बाढ़ और जनहानि हुई। बागेश्वर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ, जहां सामान्य 4 मिमी की तुलना में 84 मिमी बारिश हुई और करीब 2,000 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। कपकोट तहसील में भारी बारिश के कारण कई घर तबाहा हो जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल हुआ है, जबकि तीन अन्य लापता हैं।

मीडिया रिपोर्ट में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि उत्तराखंड के चमोली जिले में ज्योतिर्मठ-मलारी राजमार्ग पर शनिवार देर रात

भारी बारिश के कारण तमक बरसाती नाले में आई बाढ़ से एक पुल बह गया जिससे नीति घाटी के सीमांत क्षेत्र के एक दर्जन से ज्यादा गांवों और सीमा पर तैनात सैनिक व अर्धसैनिक बलों का मोटर संपर्क टूट गया। चमोली जिला प्रशासन ने बताया कि सुराहीथोटा और जुम्मा के बीच तमक नाले के ऊपरी क्षेत्र में भारी बारिश से देर रात बाढ़ आ गई जिससे वहां बना सीमेंट और कंक्रीट का पुल बह गया।

अलकनंदा नदी की सहायक जलधारा धौलीगंगा के किनारे स्थित इस क्षेत्र में हुई घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुल बहने से तमक से आगे नीति घाटी के सीमांत क्षेत्र के एक दर्जन से ज्यादा जनजातीय गांवों और सीमा पर तैनात सैनिक एवं अर्धसैनिक बलों का मोटर संपर्क ठप हो गया। करीब तीन साल पहले भी यहां से करीब पांच किलोमीटर आगे जुम्मा मोटर पुल भी इसी तरह बह गया था।

इस बीच, बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग, चमोली और ज्योतिर्मठ के बीच दो स्थानों- भनीरपानी और पागलनाला पर मलबा आने से बंद है। जिला प्रशासन का कहना है कि मार्ग पर यातायात बहाल करने के लिए मशीनों से मलबा हटाया जा रहा है। केदारनाथ को चमोली से जोड़ने वाला कुंड-चमोली राष्ट्रीय राजमार्ग भी बैरागना के समीप भूस्खलन से अवरुद्ध है जिसे खोलने के प्रयास जारी हैं।

अमेरिकी शुल्क से जयपुर, जोधपुर सहित पूरे राजस्थान के हस्तशिल्प निर्यातक परेशान : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए शुल्कों से राज्य के हस्तशिल्प उद्योग से जुड़े निर्यातक परेशान हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हस्तशिल्प के प्रमुख केंद्र जयपुर और जोधपुर इस स्थिति का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगत रहे हैं। गहलोत ने चेतावनी दी कि निर्यात में कमी से राज्य की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है और इन उद्योगों में कार्यरत कारीगरों और श्रमिकों की आजीविका खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने स्थिति को अप्रिय बताया और केंद्र से शुल्कों से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने के लिए त्वरित और निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा ''केंद्र सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे तथा निर्यातकों को भरोसा दिलाना होगा कि सरकार उनके साथ हर स्थिति में खड़ी है ताकि उनका मनोबल प्रभावित न हो एवं सभी की आजीविका चलती रहे।'' गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को अमेरिकी शुल्क से प्रभावित व्यापारियों के लिए विशेष पैकेज भी तैयार करना चाहिए।

अफजल अंसारी ने संघ प्रमुख भागवत के बयान का किया समर्थन, नफरत की राजनीति बंद होना चाहिए

जम्मू(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद अफजल अंसारी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने एकता का आह्वान कर नफरत की राजनीति को नकारा था, की प्रशंसा करके पूर्वी यूपी में एक नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। साथ ही, अंसारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कड़ी आलोचना कर उन पर सामाजिक सद्भाव को नष्ट करने और आम नागरिकों के संघर्षों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

गाजीपुर में जिले की बिजली आपूर्ति पर समीक्षा बैठक के बाद अंसारी ने भागवत की एकता और भाईचारे पर हालिया टिप्पणी का स्वागत किया। अंसारी ने कहा, भागवत ने कहा कि देश को एकता और भाईचारे की ज़रूरत है और नफ़रत का कारोबार बंद होना चाहिए। यह स्वागत योग्य है और मैं उनकी सराहना करता हूँ। अन्य धार्मिक नेताओं को भी इससे सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व करने वाला दुनिया में आरएसएस से बड़ा कोई संगठन नहीं है। अगर इसके प्रमुख कहते हैं कि हर

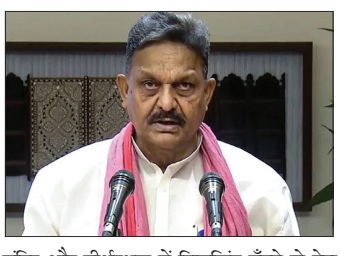

मंदिर और तीर्थस्थल में शिवलिंग ढूँढ़ने से देश कमज़ोर होगा, तब इस बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। मैं उनके शब्दों का स्वागत करता हूँ और दूसरों को भी उनके सकारात्मक संदेश का स्वागत करना चाहिए।

सपा सांसद ने कहा कि इस्लाम सदियों से भारत का अभिन्न अंग रहा है, इस तथ्य को भागवत ने भी स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, इस्लाम कोई नया धर्म नहीं है, यह भारत में बहुत लंबे समय से है और भागवत ने इस सच्चाई को स्पष्ट कर दिया है।

हालाँकि, जब अंसारी ने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर उनके निजी जीवन को लेकर निशाना साधा, तब सुर तुरंत राजनीति की ओर मुड़ गए। उन्होंने कहा, दिल्ली में बैठे आका का कोई परिवार नहीं है और उत्तर प्रदेश में बैठे आका का भी कोई परिवार नहीं है। इस पर, अंसारी के बगल में बैठे सपा विधायक जय किशन साहू ने चुटकी लेकर कहा कि वे कोशिश कर रहे हैं। अंसारी ने तुरंत जवाब दिया, मैं एक लाइसेंस प्राप्त परिवार की बात कर रहा हूँ, बिना लाइसेंस वाले परिवार की नहीं। यह उनका दुर्भाग्य है कि ईश्वर ने उन्हें संतान का आशीर्वाद नहीं दिया। अंसारी ने कहा कि मोदी और योगी बिना परिवार वाले हैं, यहाँ तक कि अपनी सात पीढ़ियों का ज़िक्र कर उन्होंने अपने व्यंग्य को और तीखा बनाने के लिए चाणक्य का भी ज़िक्र किया।

राजनीतिक मोर्चे पर, अंसारी ने बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव को भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के अवध और मगध वाले बयान की प्रशंसा कर कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस बार बिहार में तेजस्वी ही मुख्यमंत्री बनने वाले है। जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम क्यों नहीं लिया गया, तब अंसारी ने कहा, रहने दीजिए। वह एक बड़े नेता हैं।

अखिलेश का दावा कहा- बिहार से भाजपा का सफाया होना तय

पटना (एजेंसी)। सपा प्रमुख एवं उप्र के पूर्वे मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा किया है कि इस बिहार से भाजपा का सफाया हो जाएगा। अखिलेश ने कहा, मैं तेजस्वी यादव को वोटर अधिकार यात्रा के लिए बधाई देता हूं। इस यात्रा से बिहार के लोगों को यह समझ में आ रहा है कि कैसे उनके अधिकार छीने जा रहे हैं। बिहार का संदेश पूरे देश में जाएगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार बिहार में सौहार्द की जीत होगी। जनता भविष्य बनाने के लिए मतदान करेगी। तेजस्वी यादव ने पहले भी काम करके दिखाया है। एक समय ऐसा था, जब रिकॉर्ड संख्या में नौकरियां दी गई थीं। अब युवाओं को उम्मीद है कि तेजस्वी फिर सरकार में आएंगे तो उन्हें रोजगार मिलेगा। इस बार रोजगार का पलायन नहीं, भाजपा का पलायन होगा।

भाजपा की नीतियों पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा के एसआईआर वाले फैसले सिरफिरे हैं। ये लोग चुनाव आयोग के पीछे

छिपकर चुनाव लड़ना चाहते हैं और आयोग के अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अब यह चुनाव आयोग नहीं, जुगाड़ आयोग बन गया है। उत्तर प्रदेश में हमने देखा है, भाजपा को 26 प्रतिशत और 36 प्रतिशत वोट मिलता है, लेकिन वोटिंग हो जाती है 77 प्रतिशत। वर्दी पहनाकर अधिकारियों से वोट डलवाए गए। सरकार और चुनाव आयोग की यह तिकड़ी अब खत्म होगी। बिहार में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर पूछे गए सवाल पर अखिलेश यादव ने स्पष्ट कहा, इसमें सोचने की क्या बात है? तेजस्वी यादव ने काम करके दिखाया है। तेजस्वी यादव ने भी भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने यात्रा में हिस्सा लिया है। आने वाले दिनों में देश का बच्चा-बच्चा बिहार से निकले संदेश को समझेगा। तेजस्वी ने कहा, भाजपा सिर्फ अफवाह फैलाने में माहिर है। इस बार बिहार की जनता पूरी तरह जागरूक है। बिहार लोकतंत्र की जननी है और हम लोकतंत्र को खत्म नहीं होने देंगे। सरकार और चुनाव आयोग जो साजिश रच रहे हैं, उसे हम सफल नहीं होने देंगे।

इस बार ला-नीना से भारत में पड़ेगी जोरदार सर्दी ! अरब सागर में बन रहा नया सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल मानसून ने पूरे देश में मेहरबान नजर आ रहा है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में लगातार नए सिस्टम बन रहे हैं, जिससे मानसून पूरे सीजन में मजबूत बना रहा। नतीजतन उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक सभी हिस्सों में अच्छी और जोरदार बारिश हुई है। मौसम विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बार मानसून की ताकत के पीछे एक अहम कारण है प्रशांत महासागर क्षेत्र में एल-नीनो के बजाय ला-नीना का सक्रिय होना। यही जलवायु पैटर्न आने वाली सर्दियों पर भी असर डालेगा।

अमेरिका की एजेंसी ने पूर्वानुमान में कहा है कि सितंबर से नवंबर के बीच ला-नीना बनने की संभावना करीब 53 फीसदी है, जबकि साल के अंत तक यह संभावना 58 फीसदी तक जा सकती है। एक बार सक्रिय होने पर यह स्थिति सर्दियों के ज्यादातर समय तक बनी रह सकती है और शुरुआती वसंत तक असर डाल सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस बार सक्रिय होने वाला ला-नीना अपेक्षाकृत कमजोर रहेगा, जिसका मतलब है कि इसके प्रभाव हर जगह स्पष्ट तौर पर दिखाई न दें, लेकिन यह सर्दियों का एक मजबूत खाका जरूर तैयार करेगा।

ला-नीना एक प्राकृतिक जलवायु प्रणाली है, जिसमें भू-मध्यरेखीय प्रशांत महासागर का सतही जल सामान्य से ठंडा हो जाता है। इसका सीधा असर ऊपरी वायुमंडलीय पैटर्न पर पड़ता है और वैश्विक मौसम प्रभावित होता है। इसके विपरीत, एल-नीनो के दौरान समुद्र का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। दोनों ही परिस्थितियां उत्तरी गोलार्ध की सर्दियों में सबसे ज्यादा असर डालती हैं। आमतौर पर ला-नीना भारत में सामान्य या उससे ज्यादा मानसून लाता है और इसके चलते कड़ाके की ठंड भी पड़ती है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक ला-नीना के असर पूरी दुनिया में अलग-अलग रूप में दिखाई देते हैं। भारत और एशिया के कई हिस्सों में यह भारी बारिश और कड़ाके की सर्दियां लेकर आता है। अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में यह सूखा पैदा करता है, जबकि अटलांटिक क्षेत्र में तूफानों की तीव्रता बढ़ा देता है। वहीं एल-नीनो भारत में भीषण गर्मी और सूखे की वजह बनता है, जबकि दक्षिणी अमेरिका में अतिरिक्त बारिश का कारण बनता है।

पिछले दशक में 2020 से 2022 तक लगातार तीन साल ला-नीना सक्रिय रहा, जिसे ÷ट्रिपल डिप ला-नीना÷ कहा गया। इसके बाद 2023 में एल-नीनो ने दस्तक दी। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से अब एल-नीनो और ला-नीना जैसी घटनाएं पहले से ज्यादा बार और ज्यादा तीव्रता के साथ

सामने आ सकती हैं। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए भारत में इस बार कड़ाके की ठंड पड़ने की पूरी संभावना है और मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को इसके लिए तैयार रहने की सलाह दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

15 वाँ भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन- ड्रैगन-एलीफैंट फ्रेंडशिपः- बदलता एशियाई समीकरण और पश्चिम की बेचैनी

साथियों बात अगर हम भारत- चीन की दोस्ती- एशियाई भू-राजनीति में नई लकीर की करें तो, भारत और चीन, दो सबसे बड़ी एशियाई शक्तियाँ, जब भी साथ आते हैं तो पूरी दुनियाँ के लिए यह किसी बड़े भू-राजनीतिक भूकंप जैसा होता है। लंबे समय से भारत-चीन के बीच मतभेद, सीमा विवाद और रणनीतिक अविश्वास रहा है, लेकिन जब भी दोनों राष्ट्र साझा मंच पर आते हैं, पश्चिमी दुनिया में बेचैनी बढ़ जाती है। अमेरिका और यूरोप मानते हैं कि ड्रैगन- एलीफैंट फ्रेंडशिप अगर गहरी हुई, तो यह न केवल एशिया बल्कि पूरी दुनियाँ के शक्ति संतुलन को हिला सकती है।

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक परिदृश्य-अमेरिका की बेचैनी और एशियाई गठबंधन- भविष्य का परिदृश्य, नई वैश्विक शक्ति- संतुलन की ओर

भारत रूस और चीन,सबसे बड़ी एशियाई शक्तियाँ, जब एक साथ आती हैं, तो पूरी दुनियाँ के लिए यह किसी बड़े भू-राजनीतिक भूकंप जैसा होगा

वैश्विक स्तरपर बदलते परिदृश्य में जापान में 29 30 अगस्त 2025 को 15 वाँ भारत- जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन, 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक चीन के तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में रूस,भारत, पाकिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिजस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान,ईरान, बेलारूस तुर्की समेत 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष पहुंच रहे हैं। जिसमें चीन अपने रक्षा की ताकत दुनियाँ को दिखाएगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य आर्थिक परिदृश्य में अमेरिका ने अमेरिकी फर्स्ट नीति को प्रेशर देते हुए टैरिफ वार शुरू किया है,उसे देखतेहुए भारत चीन रूस गठबंधन की बहुत बड़ी भूमिका होने की संभावना है,रूस पहले से ही भारत का मित्र देश रहा है,भौगोलिक दृष्टि से-रूस एक महाद्वीपीय देश है जो यूरोप और एशिया -दोनों महाद्वीपों में फैला हुआ है। उसके लगभग 75 पर्सेंट भूभाग एशिया में आता है,जबकि उसकी 25 पेर्सेंट आबादी यूरोप वाले हिस्से में रहती है। इसलिए रूस को यूरो-एशियाई शक्ति कहा जाता है। राजनीतिक और सामरिक दृष्टि से-रूस की सैन्य शक्ति, परमाणु हथियार, और एशिया के देशों (चीन, भारत, ईरान, मध्य एशिया) के साथ उसके रिश्ते उसे एशियाई भू-राजनीति का अहम हिस्सा बनाते हैं।रूस एशिया में ऊर्जा (तेल-गैस) का प्रमुख स्रोत है। एशिया में शक्ति-संतुलन (विशेषकर अमेरिका-चीन-भारत समीकरण) में रूस की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रहती है। ठीक वैसे ही भारत आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, और चीन की भी अपने क्षेत्रों में बहुत बड़ी दक्षतारखता है, तीनों देशों की शंघाई सहयोग संगठन में बड़ी भूमिका है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत रूस और चीन,सबसे बड़ी एशियाई शक्तियाँ, जब एक साथ आती हैं,तो पूरी दुनियाँ के लिए यह किसी बड़े भू-राजनीतिक भूकंप जैसा होगा।वैश्विक परिदृश्य-अमेरिका की बेचैनी और एशियाई गठबंधन- भविष्य का परिदृश्य, नई वैश्विक शक्ति-संतुलन की ओर।

साथियों बात अगर हम भारत- चीन की दोस्ती-एशियाई भू-राजनीति में नई लकीर की करें तो, भारत और चीन, दो सबसे बड़ी एशियाई शक्तियाँ, जब भी साथ आते हैं तो पूरी दुनियाँ के लिए यह किसी बड़े भू-राजनीतिक भूकंप जैसा होता है। लंबे समय से भारत-चीन के बीच मतभेद, सीमा विवाद और रणनीतिक अविश्वास रहा है, लेकिन जब भी दोनों राष्ट्र साझा मंच पर आते हैं, पश्चिमी दुनिया में बेचैनी बढ़ जाती है। अमेरिका और यूरोप मानते हैं कि ड्रैगन- एलीफैंट फ्रेंडशिप अगर गहरी हुई, तो यह न केवल एशिया बल्कि पूरी दुनियाँ के शक्ति संतुलन को हिला सकती है।डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका पहले से ही व्यापार युद्ध और टैरिफ नीतियों के ज़रिए चीन और भारत दोनों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन भारत-चीन की संभावित नजदीकी उसके लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन सकती है। एशिया की 2.7 अरब से अधिक की आबादी, दुनियाँ की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएँ और संयुक्त सैन्य शक्ति, यदि सहयोग में बदल जाएँ तो पश्चिमी देशों की वर्चस्ववादी राजनीति को गंभीर चुनौती दे सकती हैं।यह तथ्य न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से अहम है बल्कि भू-राजनीतिक और सुरक्षा व्यवस्था में भी बड़ा असर डाल सकता है। यदि भारत और चीन तकनीकी सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक साझेदारी में हाथ मिलाते हैं, तो अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए एशिया में हस्तक्षेप करना और कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि वाशिंगटन और लंदन से लेकर टोक्यो और पेरिस तक सभी की निगाहें भारत-चीन समीकरण पर टिकी हैं।

साथियों बात अगर हम वैश्विक परिदृश्य-अमेरिका की बेचैनी और एशियाई गठबंधन की करें तो,ट्रंप को सबसे बड़ा डर इस बात का है कि भारत-चीन की जुगलबंदी रूस के साथ मिलकर एक ऐसा त्रिकोण बना सकती है, जो अमेरिका की दशकों से चली आ रही वैश्विक प्रभुत्व की नींव हिला दे। भारत-रूस पहले से ही ऊर्जा, रक्षा और व्यापार में गहरे साझेदार हैं। चीन और रूस के बीच भी नो लिमिट्स पार्टनरशिप की चर्चा पिछले वर्षों में तेज़ हुई है। अगर इस समीकरण में भारत स्थायी रूप से जुड़ता है, तो यह अमेरिका और यूरोप की रणनीतिक योजनाओं को कमजोर कर देगा। इस संदर्भ में दो बड़े आयोजन खासतौर से चर्चा में हैं। पहला, जापान में 29-30 अगस्त 2025 को होने वाला 15वाँ भारत- जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन, जिसमें भारत की प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति बेहद अहम होगी। इस सम्मेलन का मकसद एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन बनाए रखना और तकनीकी व सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना है। जापान भारत का करीबी मित्र है, लेकिन यदि भारत-चीन की दोस्ती गहरी होती है, तो जापान को अपनी रणनीति को संतुलित करने की चुनौती होगी।दूसरा बड़ा आयोजन है शंघाई सहयोग संगठन समिट, जो 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक आयोजित होने जा रहा है। इसमें भारत, चीन और रूस के शीर्ष नेता एक मंच पर आएँगे। पश्चिमी देशों को सबसे अधिक चिंता इसी सम्मेलन से है, क्योंकि यह मंच पश्चिम-विरोधी नहीं तो कम से कम पश्चिम-नियंत्रण मुक्त दुनिया का प्रतिनिधित्व करता है। एससीओ की चर्चाएँ अक्सर सुरक्षा सहयोग,ऊर्जा साझेदारी और व्यापारिक गलियारों पर केंद्रित होती हैं, और इस बार जब ट्रंप ने भारत-चीन को लेकर आशंका जताई है,तो उनकी बेचैनी और स्पष्ट नज़र आती है।अमेरिका की चिंता केवल रणनीतिक नहीं है बल्कि आर्थिक भी है। भारत और चीन दोनों ही अमेरिका के लिए बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। अगर दोनों मिलकर व्यापारिक नीतियाँ तय करते हैं और रूस को ऊर्जा साझेदारी में शामिल करते हैं, तो डॉलर के वर्चस्व को चुनौती मिल सकती है। यही कारण है कि ट्रंप और पश्चिमी मीडिया लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या भारत चीन का साथ देगा?

साथियों बात अगर हम भविष्य का परिदृश्य-नई वैश्विक शक्ति- संतुलन की ओर की करें तो, भारत-चीन की दोस्ती का असर केवल एशिया तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि यह वैश्विक भू- राजनीति का नक्शा बदल सकता है। आज की दुनिया बहुध्रुवीय होती जा रही है, और इसमें एशिया की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ी है। अगर भारत, चीन और रूस मिलकर किसी साझा आर्थिक ब्लॉक या तकनीकी गठबंधन का निर्माण करते हैं, तो यह जी7 और नाटो जैसी पश्चिमी संस्थाओं को चुनौती देगा।भारत लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति पर चलता आया है। न तो वह अमेरिका का पूरी तरह साथी बनना चाहता है और न ही चीन का अनुयायी। लेकिन बदलते हालात में भारत के लिए चीन के साथ कुछ मुद्दों पर सहयोग करना उसके राष्ट्रीय हित में हो सकता है।

उदाहरण के लिए, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी विकास, क्लाइमेट चेंज,और आतंकवाद- रोधी अभियानों में सहयोग से भारत को फायदा होगा।पश्चिमी देश मानते हैं कि अगर भारत और चीन का गठबंधन मजबूत होता है, तो वे वैश्विक संस्थाओं में सुधार और पश्चिमी प्रभुत्व को तोड़ने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। यह स्थिति अमेरिका को सबसे ज्यादा असहज बनाती है, क्योंकि वह दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का निर्माता और नियंत्रक रहा है।आने वाले दिनों में जापान का शिखर सम्मेलन और एससीओ समिट भारत की इस रणनीति को स्पष्ट करेंगे। अगर मोदी इन मंचों पर संतुलनकारी भूमिका निभाते हैं, तो भारत एशिया का पावर ब्रोकर बन सकता है। वहीं, अगर भारत-चीन-रूस त्रिकोण मजबूत होता है, तो ट्रंप की चिंताएँ सही साबित होंगी और अमेरिका को अपनी एशिया नीति परपुनर्विचार करना पड़ेगा।भविष्य का वैश्विक परिदृश्य यही बताता है कि ड्रैगन-एलीफैंट फ्रेंडशिप अब केवल एक संभावना नहीं रही, बल्कि एक ऐसी वास्तविकता बन रही है जिससे दुनिया का नक्शा सचमुच बदल सकता है। अमेरिका और पश्चिमी देशों की बेचैनी इसी बदलाव की आहट है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करेंगे तो हम पाएंगे कि 15 वाँ भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन,शंघाई सहयोग संगठन- ड्रैगन-एलीफैंट फ्रेंडशिप--बदलता एशियाई समीकरण और पश्चिम की बेचैनी वैश्विक परिदृश्य- अमेरिका की बेचैनी और एशियाई गठबंधन- भविष्य का परिदृश्य, नई वैश्विक शक्ति-संतुलन की ओर भारत रूस और चीन,सबसे बड़ी एशियाई शक्तियाँ, जब एक साथ आती हैं,तो पूरी दुनियाँ के लिए यह किसी बड़े भू-राजनीतिक भूकंप जैसा होगा।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

संपादकीय

बदली खानपान की आदतों से बढ़ी मुसीबत

देश में जिस तेजी से मोटापा और उससे जनित रोगों का दायरा बढ़ा है, उससे यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात जैसी स्थिति बनती जा रही है। जिससे मोटापा जनित गैर संक्रामक रोगों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। एक हालिया अध्ययन में इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च व विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खुलासा किया है कि साल 2025 तक भारत की वयस्क आबादी में मोटापे की दर 20 से 23 फीसदी तक जा पहुंची है। जबकि वर्ष 1990 में देश यह दर महज नौ से दस प्रतिशत ही थी। चिंता की बात यह है कि महज तीन दशक में मोटापा बढ़ने की यह दर दो गुना हो चुकी है। यही वजह है कि शहरों में आजकल हर चौथा व्यक्ति मोटापे का शिकार दिखायी देता है। दरअसल, देश में जैसे-जैसे आर्थिक समृद्धि आई तो हमारी खान-पान की आदतों में बदलाव आया है। हमारे भोजन में डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, अधिक शूगर वाले पेय पदार्थ और युवाओं में जंक फूड का उपभोग तेजी से बढ़ा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि खाद्य तेलों का उपयोग भी बहुत तेज गति से बढ़ा है। आर्थिक विकास से समृद्धि आई तो हमारा खानपान समृद्ध हुआ,लेकिन वहीं शारीरिक निष्क्रियता भी बढ़ी है। दरअसल, खाद्य तेलों का बेतहाशा उपयोग भी मोटापे की वजह बना है। देश में नब्बे के दशक में जहां प्रति व्यक्ति तेल की औसतन खपत साढ़े तीन से चार लीटर थी, जो अब करीब बीस लीटर सालाना हो गई है। यानी चिंताजनक स्थिति तक पहुंचकर पांच गुना हो गई है। अब मोटापे की समस्या से शहर ही नहीं, ग्रामीण जीवन भी प्रभावित हो रहा है। बीती सदी में ऐसा देखने में नहीं आता है। दरअसल, इस सदी की शुरुआत में आई आर्थिक समृद्धि ने न केवल हमारी खानपान की आदतें बदली, बल्कि वाहनों के अधिक उपयोग व आरामदायक जीवनशैली ने हमारी शारीरिक सक्रियता भी कम कर दी। जो मोटापे की एक बड़ी वजह बना। देश में मोटापे की समस्या किस हद तक पहुंच चुकी है और उससे गैर संक्रामक रोग कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं, उसको लेकर कई सार्वजनिक मंचों से प्रधानमंत्री देश को संबोधित कर चुके हैं। स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने देश में गति पकड़ते मोटापे पर गंभीर चिंता जतायी। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर भी वे मोटापे से मुक्त जीवन के लिये लाइफ स्टाइल में बदलाव की बात कह चुके हैं। उन्होंने खाद्य तेलों के उपयोग में कमी लाने की भी बात कही। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी कह चुका है कि पांच-छह सौ एमएल से अधिक खाद्य तेल का सेवन मोटापे, उच्च रक्तचाप, दिल के रोग और डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कह रहे हैं कि खानपान की आदतों में सुधार और शारीरिक सक्रियता बढ़ाने से हम मोटापा कम कर सकते हैं। नियमित व्यायाम व योग-प्राणायाम इसमें खासे मददगार हैं। यहां संकट हमारी जीवन शैली में आये बदलावों का भी है, जिसमें हम देर रात को अधिक गरिष्ठ भोजन करते हैं। देर से सोना और देर से जागना अब आम बात हो चली है। तेजी से होते शहरीकरण, आफिसों में देर तक काम करने, शारीरिक सक्रियता में कमी तथा देर रात तक सोशल मीडिया में उलझे रहने से भी नींद की कमी ने जीवन में तनाव को बढ़ाया है। यह तनाव हमारी खानपान की आदतों को बुरी तरह प्रभावित करके मोटापे को बढ़ाता है। यही वजह है कि एक बहुचर्चित मेडिकल पत्रिका ने चेताया है कि भारत में 2050 तक पैंतालीस करोड़ युवा मोटापे की चपेट में आ सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि सोशल मीडिया पर मोटापा कम करने के नीम-हकीमी नुस्खों की भरमार आई है। हर दूसरा आदमी मोटापा कम करने के तरीके बताता नजर आता है।

पोषण भी पढ़ाई भीः भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

लेखिका- श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरुआत — अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज़ होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्य आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने—न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षा- आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है। आज के भारत में, खेल अब सिर्फ़ मनोरंजन भर नहीं, अपितु —नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुल स्पखष्ट और विश्व सनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्या वस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज्यादा ज़रूरत है—जीवन के शुरुआती छह वर्षों में।

वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में—पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है,जितनी जल्दी शुरुआत,उतने बेहतर परिणाम—और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यक्त किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है—जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है।

ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है—यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है।

मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरुआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी ज़ोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है। बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दी ल कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्यावस्थो देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरुआत 30 मिनट के उन्मुक्तिध खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यमवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है।

व्य वस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यकवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है। जो परिवार पहले कभी आंगनवाड़ियों को केवल पोषण केंद्र मानते थे, अब उन्हें अपने बच्चे की शिक्षा की यात्रा में पहला कदम मानते हैं।

भारत में हर बच्चा जन्म से ही मज़बूत शुरुआत का हक़दार है। जन्म से तीन साल तक की आयु वर्ग के बुनियादी महत्व को समझते हुए मंत्रालय ने प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय ढाँचा-नवचेतना की भी शुरुआत की है। यह पहल माता-पिता और देखरेखकर्ताओं को बच्चों के विकास के लिए घर पर ही सरल, खेल-आधारित, आयु के -उपयुक्त गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाती है।

माता-पिता की भागीदारी बच्चे के विकास की कुंजी है। जहाँ एक ओर उच्च आय वाले परिवार खिलौनों और किताबों में निवेश कर सकते हैं, वहीं सरकार की भूमिका कम आय वाले परिवारों के लिए समान अवसर प्रदान करने की है। नवचेतना और पोषण भी पढ़ाई भी के माध्यम से, हम भारत के कोने- कोने में हर बच्चे को शुरू से ही आवश्यक प्रोत्साहन, देखभाल और पोषण मिलना सुनिश्चित करते हुए इस अंतर को पाट रहे हैं।

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए। सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है।

दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

विचार मंथन

मनोज जारंगे आर-पार की लड़ाई के मूड में

(लेखक-सनत जैन)

मराठा आरक्षण के पुरोधा मनोज जारंगे इस बार आर पार की लड़ाई लड़ने की मुद्रा में है। वह मुंबई के आजाद मैदान में आमरण अनशन में बैठ गए हैं। सरकारी नौकरी और शिक्षा में मराठा समुदाय को आरक्षण देने के मुद्दे पर वह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उनके साथ हजारों की संख्या में आंदोलनकारी आर्थिक राजधानी मुंबई में पहुंचे हुए हैं। जिसके कारण राजधानी का पहिया एक तरह से थम गया है। शनिवार को सेवा निवृत्ति न्यायाधीश संदीप शिंदे ने मनोज जरंगे से बातचीत की। सितंबर 2023 में मराठा समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाण पत्र एवं आरक्षण के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाईकोर्ट के जज संदीप शिंदे की अध्यक्षता में कमेटी गठित की थी। पिछले 13 महीने से इस मुद्दे से संबंधित अभिलेखों की जांच यह कमेटी कर रही है। जैसा होता है, आंदोलन को टालने के लिए इस तरह की कमेटियां बना दी जाती हैं। मनोज जारंगे कई बार आंदोलन कर चुके हैं। उनके साथ लाखों लोगों ने प्रदर्शन किया, लेकिन हर बार सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। मराठा समाज की आरक्षण मांग कोई नई-नही है। मराठा समाज 10 फ़ीसदी आरक्षण चाहता है। कुनबी समाज को मराठाओं में शामिल कराना चाहता है। महाराष्ट्र में 50 फ़ीसदी से ज्यादा आरक्षण होने के कारण सरकार के लिए यह मांग मानना संभव नहीं है। संवैधानिक मर्यादा एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेश को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार को आरक्षण का रास्ता कहीं से निकलता हुआ दिख नहीं रहा है। इस बार मनोज जारंगे अनिश्चित भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। इससे महाराष्ट्र सरकार के हाथ पैर फूल गए हैं। उच्च न्यायालय के सेवा निवृत्ति न्यायाधीश संदीप शिंदे गांधी मैदान पहुंचे। उन्होंने मनोज जारंगे को मनाने का प्रयास किया। न्यायाधीश संदीप शिंदे एवं सरकारी प्रतिनिधि मंडल का यह प्रयास बेनतीजा रहा। मनोज जारंगे का आंदोलन पूर्णता शांतिप्रिय है। लेकिन यह संपूर्ण महाराष्ट्र में फैल गया है। मुंबई को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। पिछले दो दिनों से मुंबई की रफ्तार एक तरह से थम गई है। करोड़ों रुपए के कारोबार का नुकसान हुआ है। आंदोलन के माध्यम से मराठा आरक्षण की मांग को लेकर यह समुदाय कई प्रयास पूर्व में कर चुका है। राजनेताओं के हथकंडे के कारण अब यह आंदोलन आर पार की लड़ाई के स्तर पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार इन दिनों कई राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रही है। वोट अधिकार यात्रा और वोट चोरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी समय-समय पर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। बिहार में उनकी वोट अधिकार यात्रा समाप्त हो चुकी है। अब वह महाराष्ट्र में आकर कोई बड़ा विस्फोट करने वाले हैं। इसको लेकर महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। महाराष्ट्र सरकार ने यदि मराठा आरक्षण आंदोलन को शीघ्र समाप्त करने का प्रयत्न नहीं किया। ऐसी स्थिति में गणेश उत्सव के दौरान मुंबई में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकार के हाथ पैर फूले हुए हैं। मनोज जारंगे किसी बात को समझने के लिए तैयार नहीं है। इस बार वह आश्वासन के मुद्दे पर अपना आंदोलन खत्म नहीं करेंगे इतना तय है। ऐसी स्थिति में सरकार को समझ नहीं आ रहा है, वह मराठा आरक्षण आंदोलन का किस तरह से सामना करें। यदि मराठाओं को आरक्षण दिया जाता है, ऐसी स्थिति में अन्य जातियां भी आरक्षण की मांग में सड़कों पर उतरेंगी। विपक्षी राजनीतिक दल इस आंदोलन को हवा दे रहे हैं। जिसके कारण महाराष्ट्र सरकार को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई में गणेश उत्सव के पंडाल सजे हैं। लाखों भक्त दर्शन के लिए सड़कों पर हैं।

कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर महाराष्ट्र सरकार की चिंता बढ़ गई है। मुंबई का कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। यह सरकार की बड़ी चिंता है। वही मनोज जारंगे का कहना है, सरकार आश्वासन देकर चुप्पी साथ लेती है। इस बार वह आरक्षण लेकर ही वापस लौटेंगे, या अपनी आहुति देंगे। मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर सरकार की चिंतायें बढ़ गई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सितंबर के पहले हफ्ते में कई कंपनियां अपने शेयरधारकों को देंगी डिविडेंड का तोहफा

नई दिल्ली। सितंबर का पहला हफ्ता शेयर बाजार के निवेशकों के लिए खास होगा। कई कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का तोहफा देने जा रही हैं। डिविडेंड दरअसल कंपनी के मुनाफे का वह हिस्सा है, जिसे निवेशकों में बांटा जाता है। 1 से 6 सितंबर के बीच अलग-अलग तारीखों पर बड़ी संख्या में कंपनियां फाइनल डिविडेंड, स्पेशल डिविडेंड या फिर अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा कर चुकी हैं। इस सूची में एनटीपीसी, ओएनजीसी, ऑयल इंडिया, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, त्रिवेणी टरबाइन, पतंजलि फूड्स जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। वहीं अजमेरा रियल्टी, यशो इंडस्ट्रीज, मोडिसन लिमिटेड जैसी मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियां भी निवेशकों को फायदा देने जा रही हैं। इस दौरान निवेशकों को 0.10 रुपए से लेकर 35 रुपए प्रति शेयर तक का डिविडेंड मिलेगा। इसी हफ्ते इन कंपनियों की रिकॉर्ड डेट भी तय की गई है यानी अगर आप एक्स-डेट से पहले इन कंपनियों के शेयर रखते हैं तो आप डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। सितंबर की शुरुआत निवेशकों के लिए सिर्फ अतिरिक्त कमाई का अवसर ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक निवेश में भरोसा बनाए रखने का सुनहरा मौका भी होगा।

अमेरिकी टैरिफ से निटपने केंद्र और उद्योग संगठनों ने रणनीति बनाने तेज की प्रक्रिया

-सीईए ने कहा-मुख्य लक्ष्य प्रभावित क्षेत्रों को समय पर वित्तीय व नीतिगत मदद देना

नई दिल्ली। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि अमेरिका के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद केंद्र सरकार, निजी क्षेत्र और अन्य स्टेकहोल्डर्स मिलकर प्रभावित निर्यात क्षेत्रों को सहारा देने के लिए सक्रियता से काम कर रहे हैं। अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय सामानों पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लागू कर दिया है, जिसके बाद सरकार ने तात्कालिक रणनीति तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। नागेश्वरन ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक वर्चुअल कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ दिनों से सरकार की ओर से निर्यातकों, उद्योग संगठनों और निजी क्षेत्र की एजेंसियों के साथ चर्चा चल रही है। उनका कहना है कि मुख्य लक्ष्य प्रभावित क्षेत्रों को समय पर वित्तीय व नीतिगत सहायता देना है ताकि वे संकट से उबरकर और मजबूत हो सकें। हालांकि उन्होंने विस्तृत योजना का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा आर्थिक चुनौतियों के बीच ताजा जीडीपी आंकड़े सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में स्थिर कीमतों पर वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही, जबकि नाममात्र जीडीपी 8.8 फीसदी बढ़ी। यह अनुमानित 8-8.2 फीसदी से ज्यादा है और करीब 9 फीसदी तक पहुंचना एक उपलब्धि है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे संकट अक्सर समाज और अर्थव्यवस्था के सभी वर्गों को एकजुट करने और तेजी से कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं, जो सामान्य परिस्थितियों में देर से उठाए जाते हैं।

भारत की 8 सबसे मूल्यवान कंपनियों के कुल मार्केट वैल्यू में गिरावट

मुंबई । बीते सप्ताह भारत की 8 सबसे मूल्यवान कंपनियों के कुल मार्केट वैल्यू में करीब 2,24,630 करोड़ की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक सबसे अधिक प्रभावित रहीं। यह गिरावट शेयर बाजार में मंदी के संकेत दिख रही है। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स पिछले सप्ताह 1,497.2 अंक (1.84 प्रतिशत) गिर गया। टॉप-10 कंपनियों में से, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी का मार्केट वैल्यू कम हुआ, जबकि टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में बढ़त देखी गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 70,707 करोड़ घटकर 18,36,424 करोड़ हो गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 47,482 करोड़ घटकर 14,60,864 करोड़ पर आ गया।

2027 के बजट की तैयारी शुरु, 9 अक्टूबर से होंगी प्री-बजट की बैठकें

-सभी मंत्रालय व विभाग लेंगे भाग, खर्च, आय और गैर-कर राजस्व पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2027 का बजट की तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को मंत्रालय ने इसको लेकर एक सर्कुलर जारी कर दिया है। इसमें बताया गया है कि प्री-बजट की बैठक 9 अक्टूबर से शुरू होंगी। ये बैठक नवंबर के मध्य तक चलेंगी। इन बैठकों में सभी मंत्रालय और विभाग हिस्सा लेंगे। यहां खर्च, आय और गैर-कर राजस्व पर चर्चा की जाएगी। गैर-कर राजस्व में यूजर चार्ज और विभागों की बिजनेस यूनिट से होने वाली कमाई शामिल है। इन बैठकों में सकल खर्च और शुद्ध खर्च का भी हिसाब किया जाएगा।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने अगले वित्त वर्ष के बजट अनुमान जमा करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें सभी मंत्रालयों से स्वायत्त संस्थाओं और खास कोष के लिए बनाई गई एजेंसियों का पूरा विवरण मांगा है। साथ ही यह भी पूछा गया है कि इन्हें जारी रखने की जरूरत क्यों है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि खर्च की सीमा सरकार की प्राथमिकताओं और आय के अनुमान को देखते हुए तय की जाएगी।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि अगर 2026 के बजट अनुमान और संशोधित अनुमान में, या वित्त वर्ष 2027 के आरई और बीई में 10 फीसदी से ज्यादा का फर्क आता है, तो उसका सही कारण देना होगा। सर्कुलर में साफ लिखा है ÷कम जरूरत÷ या ÷ज्यादा जरूरत÷ जैसी अस्पष्ट वजह मान्य नहीं होंगी। सभी मंत्रालयों को अपने बजट अनुमान समय पर और पूरी सटीकता के साथ जमा करने होंगे। ये अनुमान दिसंबर 2025 के आखिर तक या जनवरी 2026 की शुरुआत तक यूनियन बजट सूचना प्रणाली में दर्ज किए जाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह सब समय पर होना चाहिए ताकि बजट प्रक्रिया बिना देरी के पूरी हो सके।

भारत में अप्रैल से जून तक 10.12 लाख यात्री वाहन की बिक्री हुई

-महाराष्ट्र बिक्री चार्ट में सबसे ऊपर इसके बाद यूपी, गुजरात, कर्नाटक व हरियाणा

नई दिल्ली। उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस साल अप्रैल-जून की अवधि में भारत में 10 लाख से ज्यादा यात्री वाहन बेचे गए, जिसमें महाराष्ट्र बिक्री चार्ट में सबसे ऊपर है। अप्रैल से जून तक, देश में 10.12 लाख यात्री वाहन विक्रय किए गए और पश्चिमी क्षेत्र 3.21 लाख यूनिट के साथ बिक्री में सबसे ऊपर रही। सियाम द्वारा संकलित बिक्री चार्ट में जून तिमाही में महाराष्ट्र में 1.19 लाख यूनिट बिकीं। इसके बाद यूपी, गुजरात, कर्नाटक और हरियाणा का नंबर आता है। उद्योग निकाय ने कहा कि इस अवधि में देश में दोपहिया वाहन खंड में 46.75 लाख यूनिट बिकीं, जबकि पश्चिमी राज्यों में बिक्री 14.19 लाख यूनिट तक पहुंच गई। यूपी दोपहिया वाहनों की बिक्री में सबसे आगे रहा, जहां कुल 8.18 लाख यूनिट बिकीं, इसके बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु, बिहार और मध्य प्रदेश का स्थान रहा।

पेटीएम ने साफ किया, यूपीआई पेमेंट में नहीं आएगी कोई परेशानी

नई दिल्ली ।

वित्तीय सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पेटीएम ने साफ किया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल में बदलावों पर गूगल प्ले की हालिया अधिसूचना अधूरी थी और इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। कंपनी ने कहा कि पेटीएम पर यूपीआई भुगतान में कोई व्यवधान नहीं है और उपभोक्ता व व्यापारी दोनों के लेन-देन निर्बाध बने हुए हैं। पेटीएम ने बताया, इसका मतलब है कि अगर कोई यूजर यूट्यूब प्रीमियम या गूगल वन स्टोरेज या किसी भी आवर्ती प्लेटफॉर्म के लिए पेटीएम यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर रहा था, तब उस बस अपने पुराने श्पेटीएम हैंडल को अपने बैंक से जुड़े नए हैंडल, जो श्पीटीएचडीएफसी, श्पीटीएक्सिस, श्पीटीयस या श्पीटीएसबीआई से बदलना होगा।पेटीएम ने बताया कि यह बदलाव, थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (टीपीएपी) के रूप में काम करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से मंजूरी मिलने के बाद नए यूपीआई हैंडल्स पर उसके माइग्रेशन का हिस्सा है। आवर्ती मैंडेट्स के लिए अपडेट पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त, 2025 है, यही वजह है कि गूगल प्ले ने यह अलर्ट जारी किया है। ग्राहकों को आश्वस्त करते हुए, पेटीएम ने कहा कि यह एक आसान अपडेट है जो निर्बाध आवर्ती भुगतान सुनिश्चित करता है

टैरिफ के चलते इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट

-पहली तिमाही की जीडीपी चुनौतियों से निपटने में बन सकती है सुरक्षा कवच

मुंबई।

अमेरिकी टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के दबाव के कारण बाजारों में शुरुआती आशावाद कम होने से इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स 2.2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। मेटल, आईटी, रियल्टी और ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली साफ देखी गई, जिनमें 0.5 फीसदी से 1.5 फीसदी तक की गिरावट आई। इसके विपरीत, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मीडिया और एफएमसीजी शेयरों में 0.4 फीसदी से 1 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन कमजोर रहा, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में क्रमशः 0.57 फीसदी और 0.39 फीसदी की गिरावट आई। प्रस्तावित जीएसटी रेशनलाइजेशन, अनुकूल मानसून आउटलुक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में कमी और सितंबर में फेड दरों में संभावित कटौती जैसे वैश्विक कारकों के कारण इस सप्ताह बाजार सकारात्मक रूप से खुले। अमेरिकी टैरिफ की समय सीमा से पहले सतर्कता बरती गई, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली हुई और तीन सत्रों तक बाजार लाल निशान पर रहा। विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय वस्तुओं पर बाद में लगाए गए टैरिफ ने विश्वास को कम किया, जिससे सभी क्षेत्रों में मुनाफावसूली को बढ़ावा मिला। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख ने कहा कि बड़े शेयरों में गिरावट आई, जबकि मध्यम और छोटे शेयरों में बढ़े हुए मूल्यांकन और बढ़ी हुई अनिश्चितता के कारण भारी गिरावट देखी गई। उन्होंने कहा सरकारी खर्च और नीतिगत उपायों से प्रेरित भारत का पहली तिमाही का मजबूत जीडीपी आंकड़ा बाहरी चुनौतियों से निपटने में एक सुरक्षा कवच प्रदान कर सकता है, हालांकि राजकोषीय चिंताएं बनी हुई हैं।

टैरिफ विवादों के समाधान से मार्केट सेंटीमेंट को बढ़ावा मिल सकता है, लेकिन 25 फीसदी का रेसिप्रोकल टैरिफ निकट से मध्यम अवधि तक प्रभावी रहने की संभावना है।

जिन क्षेत्रों पर असर पड़ने की संभावना है उनमें कपड़ा, उपकरण निर्माता, धातु, ऑटो और समुद्री खाद्य शामिल हैं। आईटी और फार्मा क्षेत्र में सेंटीमेंट पर दबाव देखने को मिल सकता है, हालांकि टैरिफ का उन पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। भारत की अर्थव्यवस्था ने अप्रैल-जून 2025 तिमाही में उम्मीदों से बेहतर 7.8 फीसदी की रियल जीडीपी वृद्धि के साथ बढ़त हासिल की। निकट भविष्य में बाजारों में मिश्रित रुझान की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि उपभोग और घरेलू विकास पर केंद्रित क्षेत्रों, जैसे कि एफएमसीजी, ड्यूरेबल्स, विवेकाधीन वस्तुएं, सीमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को जीएसटी में कटौती, मजबूत मांग और सरकारी खर्च में वृद्धि से लाभ होने की संभावना है।

मोदी सरकार को पूर्व आरबीआई गर्वनर राजन की सलाह, ऐसा करने से हमारे निर्यातकों का नुकसान कम होगा

नई दिल्ली ।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने सुझाव दिया है कि मोदी सरकार को उन तेल रिफाइनर कंपनियों पर विंडफॉल टैक्स लगाना चाहिए, जिन्हें रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर बड़ा मुनाफा हो रहा है। पूर्व आरबीआई गर्वनर कहना है कि इस टैक्स से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल भारतीय एक्सपोर्टर्स (निर्यातकों) को मदद देने में हो सकता है, क्योंकि हाल ही में अमेरिका ने भारत पर भारी टैरिफ लगाए हैं, जिससे हमारे निर्यातकों को नुकसान हो रहा हैं।

पूर्व आरबीआई गर्वनर राजन ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ के कारण भारत के कई उद्योगों, खासकर छोटे और मझौले एक्सपोर्टर्स, पर दबाव बढ़ गया है और उनकी कमाई पर सीधा असर पड़ा है। राजन का मानना है कि यह कदम दोहरा फायदा देगा। एक ओर केंद्र सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा और दूसरी ओर निर्यातकों को राहत मिल सकेगी। इससे भारत की निर्यात क्षमता को सहारा मिलेगा और वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी। राजन ने विंडफॉल टैक्स पर अपने विचार व्यक्त किए। वे कहते हैं, क्या वे अब भी अतिरिक्त मुनाफा कमा रहे हैं? क्या हमें उस मुनाफे में से कुछ लेकर उन निर्यातकों को फायदा पहुंचाना चाहिए जो रूस से तेल खरीदने से नुकसान उठा रहे हैं। वे कहते हैं, क्यों न हम अपने रिफाइनरों पर उनके द्वारा खरीदे गए रूसी तेल के अनुपात में विंडफॉल टैक्स लगाएं और उसे अपने छोटे और मध्यम निर्यातकों को हस्तांतरित करें? इससे यह सुनिश्चित होगा कि भारत में जो लोग रूसी तेल से लाभान्वित होते हैं, वे भी इसका भुगतान करें, न कि दूसरों को भुगतान करने दें।

बात दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी लिमिटेड के नेतृत्व वाली भारतीय रिफाइनर कंपनियां सितंबर में रूस से तेल खरीद में 10-20 प्रतिशत या प्रतिदिन 150,000-300,000 बैरल की वृद्धि कर सकती हैं, रिपोर्ट में बताया गया हैं कि रूस अधिक कच्चा तेल बेचने के लिए कीमतों में कटौती कर सकता है क्योंकि वे यूक्रेन के ड्रोन हमलों से क्षतिग्रस्त हुई रिफाइनरियों में उतना तेल संसाधित नहीं कर सकते। भारत के बिना, रूस को अपने निर्यात को मौजूदा स्तर पर बनाए रखने में कठिनाई होगी। इससे तेल निर्यात राजस्व में कमी आएगी, जिससे क्रेमलिन के बजट और यूक्रेन में रूस के जारी युद्ध का वित्तपोषण होता है।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक

अर्थशास्त्री बोले- ऐसी तिमाही को टैरिफ तिमाही कहना उचित होगा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होने पर अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि भारत में विशाल जीडीपी वृद्धि और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने की क्षमता मौजूद है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि एक ऐसी तिमाही में जिसे टैरिफ तिमाही का नाम देना उचित होगा, देश की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि यह वह तिमाही थी, जब रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की जा रही थी। यह वह समय था जब पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था टैरिफ की उच्च दरों से नाखुश थी और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता थी। इस समय हमने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। हमें हमारी तुलना विश्व के दूसरे देशों से करनी चाहिए। उन्होंने भारत की जीडीपी की तुलना अलग-अलग देशों से करते हुए कहा कि हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2023 और 2024, दो सालों तक, जर्मनी ने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि हमारी तुलना अमेरिका से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि -0.5 फीसदी दर्ज की। हमारी तुलना जापान से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक, उन्होंने -0.2 फीसदी नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की है।

अमेरिकी टैरिफ से होने वाले नुकसान को लेकर केंद्र सरकार हुई सतर्क

-निर्यातकों के लिए छूट और आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने शुरु की योजना

नई दिल्ली।

अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इसके जवाब में भारत ने तुरंत राहत उपाय शुरू कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का मकसद निर्यातकों को नकदी की कमी से बचाना, उत्पादन को बनाए रखना और नौकरियों को सुरक्षित रखना है। इसके अलावा विशेष आर्थिक क्षेत्रों में छूट और आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने की योजना है। अमेरिका ने 7 अगस्त से 25 फीसदी और 27 अगस्त से अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि यह कदम भारत के रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर उठाया गया है। इससे भारत के करीब 49 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है। यह भारत के अमेरिका को होने वाले कुल निर्यात का 55 फीसदी से ज्यादा है। खासकर कालीन (60 फीसदी), टेक्सटाइल (50 फीसदी), रत्न और आभूषण (30 फीसदी) और परिधान (40 फीसदी) जैसे क्षेत्रों पर ज्यादा असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निर्यातकों को ऑर्डर रद्द होने, भुगतान में देरी और नकदी की कमी का डर सता रहा है। सरकार ने इसके लिए कई योजनाएं तैयार की हैं। छोटे और मझोले उद्यमों को खास ध्यान दिया जा रहा है। इनके लिए ब्याज सब्सिडी, फैक्टरिंग, कोलैटरल सपोर्ट, निर्यात नियमों में मदद, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स सहायता दी जाएगी। साथ ही गोदाम सुविधाओं को बेहतर किया जाएगा। सेज यूनिट्स में ऑर्डर घटने की आशंका है।

सरकार इन इकाइयों को विशेष छूट देगी। जीएसटी में टैक्स स्लैब कम करने और ज्यादा सामान को कम टैक्स ब्रैकेट में लाने की योजना है। इससे घरेलू मांग बढ़ेगी, जो निर्यातकों को वैकल्पिक बाजार देगी। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था निर्यात पर पूरी तरह निर्भर नहीं है। यह मुख्य रूप से घरेलू मांग पर टिकी है। वित्त वर्ष 2025 में 438 अरब डॉलर का माल निर्यात हुआ, जो जीडीपी का 10.4 फीसदी है। कुछ क्षेत्रों में कीमत में बढ़ोतरी सीमित है।

आईओसी अगले पांच सालों में व्यापार बढ़ाने 1.66 लाख करोड़ का करेगी निवेश

कंपनी 2046 तक प्रदूषण को शून्य करने के लक्ष्य पर भी कर रही काम

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) अगले पांच सालों में व्यापार को बढ़ाने के लिए 1.66 लाख करोड़ का निवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने बताया कि यह निवेश तेल शोधन, ईंधन विपणन, पेट्रोकेमिकल्स, प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा।

वार्षिक शेयरधारक बैठक में उन्होंने कहा कि कंपनी कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदलने की क्षमता को मौजूदा 8.07 करोड़ टन हर साल से बढ़ाकर 2028 तक 9.84 करोड़ टन करने की योजना बना रही है। इसके लिए पानीपत, गुजरात और बरौनी में बड़े विस्तार किए जाएंगे। आईओसी देश का सबसे बड़ा पाइपलाइन नेटवर्क भी संचालित करती है। इसे 22 हजार किलोमीटर तक बढ़ाया जाएगा ताकि ऊर्जा को तेजी से और आसानी से पहुंचाया जा सके। इस विस्तार में नेपाल तक पाइपलाइन बिछाने और नए स्टोरेज केंद्र बनाना भी शामिल है।

कंपनी पेट्रोकेमिकल्स को भी एक बड़ा विकास क्षेत्र मानती है। इसकी क्षमता को 2030 तक 43 लाख टन से बढ़ाकर 1.3 करोड़ टन किया जाएगा। इसका मकसद खास तरह के रसायन बनाने पर होगा ताकि हमें इन्हें विदेश से कम मंगाना पड़े। आईओसी अपने 40 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप के नेटवर्क को भी बढ़ाएगी। इन पंपों पर इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चार्जर, बैटरी बदलने के स्टेशन और सीएनजी और एलएनजी बेचने की सुविधा भी होगी। कंपनी 2046 तक प्रदूषण को शून्य करने के अपने लक्ष्य पर भी काम कर रही है। इसके लिए 2.5 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे।

आईओसी ग्रीन हाइड्रोजन और हवाई जहाजों के लिए खास ईंधन (एसएएफ) बनाने पर भी काम कर रही है। अगले तीन सालों में कंपनी अपनी नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता को एक गीगावाट से 18 गीगावाट तक बढ़ाएगी। साहनी ने कहा कि कंपनी ने अगले पांच सालों में करीब 1.66 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने का संकल्प लिया है, जिसके तहत मुख्य ध्यान पेट्रोकेमिकल्स, प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा पर रहेगा।

2 कंपनियों के शेयरों का बंटवारा इस सप्ताह

मुंबई ।

इस हफ्ते 2 कंपनियों के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। इसमें से एक कंपनी के शेयरों 50 रुपये से भी कम का है। कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 1 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

शुक्रवार को मार्केट के बंद होते समय स्टॉक 413.20 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 14 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि, एक साल से पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक करीब 14 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 759.55 रुपये और 52 वीक लो लेवल 295.20 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 576.54 करोड़ रुपये का है।

ब्लूगोड एंटरटेनमेंट लिमिटेड का मार्केट के क्लोजिंग के टाईम पर स्मॉल कैप स्टॉक का भाव 31.38 रुपये के लेवल पर था। बीते 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 221 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक 368 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सो में होगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। ब्लूगोड एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने 2 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी मंगलवार को यह स्टॉक एक्स-स्प्लिट ट्रेड करेगा। बता दें, कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई 33.32 रुपये और 52 वीक लो लेवल 5.62 रुपये है।

अमेरिका के लिए डाक सेवाएं निलंबित

नई दिल्ली ।

डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी प्रकार की डाक सेवाओं को निलंबित किया है, जिसमें 100 डालर तक के पत्र, दस्तावेज और उपहार भी शामिल हैं। यह कदम अमेरिका में डाक के परिवहन में आने वाली दिक्कतों और नियामक तंत्र की अनिश्चितता के कारण उठाया गया है। अमेरिका ने 30 जुलाई 2025 को एक कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसमें 800 डालर तक के सामान पर मिलने वाली शुल्क-मुक्त न्यूनतम छूट को खत्म किया है। इसका मतलब है कि अब भारत से अमेरिका जाने वाले सभी डाक सामान पर, चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो, सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) लगेगा। यह शुल्क इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट (आईईईपीए) के तहत लगाया जाएगा।अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने 15 अगस्त 2025 को कुछ दिशानिर्देश जारी किए, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि शुल्क कैसे इकट्ठा किया जाएगा और कौन सी परिवहन कंपनियाँ इसके लिए योग्य होंगी। इस अनिश्चितता के कारण, अमेरिका जाने वाली हवाई परिवहन कंपनियों ने 25 अगस्त 2025 के बाद डाक स्वीकार करने से मना कर दिया है क्योंकि उनके पास इसके लिए ज़रूरी तकनीकी और परिचालन व्यवस्था नहीं है। इस निलंबन से भारतीय निर्यातकों पर असर पड़ने की उम्मीद है, खासकर वे जो ई-कॉमर्स के माध्यम से छोटे सामान जैसे कपड़े, रत्न, हस्तशिल्प और इलेक्ट्रॉनिक्स का व्यापार करते हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईआरओ) के महानिदेशक अजय सहाय के अनुसार, इस बदलाव के कारण व्यापार में लगभग एक महीने तक समस्या रह सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हॉकी एशिया कप 2025 : भारत ने हॉकी एशिया कप के पूल मैच में जापान को हराया

राजगीर (बिहार) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को एशिया कप 2025 के ग्रुप ए के दूसरे मैच में जापान को 3-2 हरा दिया है। भारत की यह लगातार दूसरी जीत है और दो मैचों में छह अंकों के साथ वह पूल ए में शीर्ष पर है। इस जीत के साथ उसने टूर्नामेंट में सुपर 4 चरण में अपनी जगह पक्की कर ली है।

आज यहां स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पुरुष हॉकी रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज भारत के लिए मनदीप सिंह (चौथे मिनट में), हरमनप्रीत सिंह (5वें और 46वें मिनट में) ने गोल दागे। वहीं, 18वें स्थान पर मौजूद जापान के लिए कावाबे कोसेई ने दो गोल (38वें और 59वें मिनट) किए। भारत ने मैच की शानदार शुरुआत की और अपना दबदबा बनाए।

पहले क्वार्टर में भारत ने दो गोल दागे। मैच के चौथे मिनट में मनदीप सिंह ने मैदानी गोल के साथ टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मेजबान टीम ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर अपने नाम किए। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मौके को भुनाते हुए ड्रैगफ्लिक के साथ पीसी को गोल में तब्दील किया और भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। वहीं, जापान ने भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हुए। दूसरा क्वार्टर गोल रहित रहा। दोनो टीमों ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सके। जापान ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए थे। पहले हाफ की समाप्ति तक भारत ने अपनी 2-0 की बढ़त को कायम रखा।

तीसरे क्वार्टर में जापान ने गोल के साथ मैच में वापसी की। जापान के लिए कावाबे कोसेई ने 38वें मिनट पर फील्ड गोल दागकर स्कोर 2-1 कर दिया। इस क्वार्टर में भारत ने अटैक करना जारी रखा और आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। जिसे हरमनप्रीत सिंह ने अपने शानदार ड्रैगफ्लिक से गोल में तब्दील कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा। जापान ने लगातार मौके बनाए और मैच खत्म होने से पहले कावाबे ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। लेकिन मैच जीतने में कामयाब नहीं हो सके। भारतीय हॉकी टीम अपना अगला मुकाबला कजाकिस्तान के खिलाफ खिलाफ सितंबर को खेलेगी।

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी! इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरे सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार

फाफ डु प्लेसिस : फाफ डु प्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और वह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुल : भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्स : दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी IPL 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

ब्रेंडन ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 10 हजार रन पूरे करने वाले जिम्बाब्वे के तीसरे बल्लेबाज बने

हरारे (जिम्बाब्वे) (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रनों का आंकड़ा छूने वाले अपनी टीम के तीसरे खिलाड़ी बन गए, जो देश के क्रिकेट इतिहास में एक बड़ा क्षण था। ब्रेंडन ने यह उपलब्धि हरारे में श्रीलंका के खिलाफ अपनी टीम के दूसरे वनडे के दौरान हासिल की। ??पहले वनडे में शून्य पर आउट होने के बाद टेलर ने 37 गेंदों में बिना किसी चौके या छक्के के 20 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की।

अब 287 मैचों में उन्होंने 320 पारियों में 33.92 की औसत से 10,009 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 57 अर्धशतक और 171 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। ब्रेंडन अब दिग्गज एंडी फ्लावर (276 मैचों में 16 शतकों के साथ 40.63 की औसत से 11,580 रन) और ग्रांट फ्लावर (288 मैचों में 32.03 की औसत से 12 शतकों के साथ 10,028 रन) के साथ 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन क्लब का हिस्सा हैं।

ब्रेंडन ने टेस्ट में 35 टेस्ट और 70 पारियों में 35.92 की औसत से 2,371 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 12 अर्द्धशतक और 171 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह इस प्रारूप में जिम्बाब्वे के लिए चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वनडे में ब्रेंडन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 35.28 की औसत से 6,704 रन बनाए हैं, जिसमें 11 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145* है। ब्रेंडन जिम्बाब्वे के लिए टी20आई में सातवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 45 मैचों और पारियों में 23.94 की औसत से 934 रन बनाए हैं, जिसमें 5 अर्द्धशतक और 75* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज चोपड़ा, क्वालीफिकेशन के बावजूद तीन खिलाड़ी चूके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की अगुवाई में रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की। देश के इतिहास में पहली बार भारत के चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे जिसमें दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी शामिल हैं।

पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालीफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया पांच महिलाएं भी शामिल हैं। भारत ने 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। इस बार देश किसी भी रिले स्पर्धा के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया।

चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीता था और इस बार भी उनके अलावा किसी अन्य भारतीय के पास पदक जीतने का कोई वास्तविक मौका नहीं है। पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल के एथलीट अक्षदीप सिंह का नाम विश्व रैंकिंग के माध्यम से क्वालीफाई करने के बावजूद शामिल नहीं है क्योंकि वह चिकित्सकीय रूप से

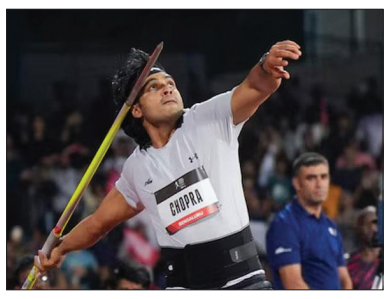

फिट नहीं हैं। एशियाई चैंपियन होने के कारण कट हासिल करने वाली हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा भी कोहनी की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाई हैं जैसा कि पीटीआई ने पहले बताया था।

तीन हजार मीटर स्टीपलचेज के स्टार खिलाड़ी अविनाश साबले ने स्वत- पात्रता सीमा हासिल करके क्वालीफाई किया लेकिन जुलाई में एसीएल सर्जरी के कारण वह इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे। एएफआई के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने वर्चुअल मीडिया बातचीत में कहा, 'साबले, अक्षदीप और नंदिनी टीम में नहीं हैं क्योंकि वे चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं हैं।'

गत चैंपियन होने के कारण 27 वर्षीय चोपड़ा ने वाइल्ड कार्ड से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जिससे तीन अन्य भारतीयों के उनके साथ जुड़ने का रास्ता साफ हुआ। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में अधिकतम तीन प्रतिभागियों को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है।

चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालीफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। तोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 एथलीटों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है।

शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पूर्व-निर्धारित आवश्यक प्रवेश संख्या पूरी की जा सके। इसके बाद सदस्य देशों ने वैश्विक संस्था को अपने एथलीटों के नाम वापस लेने की सूचना दी और इस प्रकार खाली हुए स्थानों को विश्व रैंकिंग में अगले स्थान पर रहने वाले एथलीटों द्वारा भर दिया गया।

अब कोच की भूमिका निभाना चाहते हैं अश्विन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आने वाले समय में कोच की भूमिका में भी नजर आ सकते हैं। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही उनके विदेशी लीग में खेलने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस पूर्व स्पिनर का कहना है कि उनकी अगली योजना कोचिंग करना है। अश्विन ने खुलासा किया कि कोच के तौर पर काम करना ही उनका भविष्य हो सकता है। अश्विन ने कहा, मैं जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे जाता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला काम कोच की भूमिका निभाना है। मैं इसे एक बहुत ही अहम साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है।

अश्विन ने ये भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान भी एक बार उनकी खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने कोच और खिलाड़ी के खेलने पर बात की थी। तब हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में दोनो भूमिका भी निभा सकता है हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वो बात किससे हुई थी।

अय्यर की नेतृत्व क्षमता ही बनी उनके लिए मुसीबत : पनेसर

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर देश विदेश के कई क्रिकेटरों ने हैरानी जतायी थी। इन सभी का मानना है कि श्रेयस की जानबूझकर उपेक्षा की गयी है और इसका नुकसान भारतीय टीम को उठाना पड़ेगा। वहीं अब इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का कहना है कि श्रेयस की इसलिए उपेक्षा की गयी है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता है और यहीं उनके चयन में बाधा बन रही है। पनेसर के इस तंज से एक नई बहस शुरु हो सकती है। पनेसर का कहना है कि श्रेयस की अगुवाई में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 का खिताब जीता। वहीं पंजाब किंग्स को उन्होंने आईपीएल 2025 में फाइनल तक पहुंचाया, जहां उन्हें आरसीबी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट में भी कप्तानी का लंबा अनुभव है। पनेसर ने कहा, 'अय्यर को भारतीय टीम में जगह बनाने में शायद इसलिए दिक्कत हो रही है। चयनकर्ताओं ऐसे में किसी युवा खिलाड़ी को टीम में रखना चाहते हैं जिससे कोच गौतम गंभीर के साथ किसी प्रकार का टकराव न हो। इसलिए मुझे लगता है कि आईपीएल में कप्तान होने के नाते उनके लिए टीम में जगह बनाना थोड़ा मुश्किल है।卐 उन्होंने आगे कहा, 卐लेकिन मेरा मानना ??है कि अगर वह रन बनाते रहे, तो उन्हें अवसर मिलेगा ही। उनमें अविश्वसनीय प्रतिभा है।'

विश्व चैंपियनशिप: सात्विक-चिराग ने कांस्य पदक के साथ अभियान का किया समापन

पेरिस (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को यहां विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष युगल सेमीफाइनल में चीन के 11वें वरीय चेन बो यांग और लियू यी से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पदक सुनिश्चित करने के एक दिन बाद सात्विक और चिराग के पास विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने का मौका था लेकिन शनिवार की शाम को 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 19-21, 21-18, 12-21 से हारने के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया।

भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के

ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर 2011 से लेकर अब तक इस टूर्नामेंट में पदक जीतने का भारत का सिलसिला जारी रखा था। सेमीफाइनल में हालांकि भारतीय टीम चीनी जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना नहीं कर सकी। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। सात्विक और चिराग ने शुरुआती गेम में आक्रामक रवैया अपनाया और जल्द ही 9-3 की बढ़त बना ली। लेकिन चेन और लियू ने इसके बाद शानदार वापसी की और भारतीय जोड़ी को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद चिराग तीसरे गेम प्वाइंट पर चूक गए और चीन की टीम पहला गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 5-1 की बढ़त बना ली। सात्विक के स्मैश और चिराग के नेट पर आक्रामक खेल से भारतीय टीम को बढ़त हासिल करने में मदद मिली। लेकिन इसके बाद चिराग ने नेट पर बार-बार गलतियां की और सात्विक की सर्विस भी अच्छी नहीं रही जिससे चीन की जोड़ी ने स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। सात्विक के ज़बरदस्त स्मैश और भाग्यशाली नेट कॉर्ड की बदौलत उन्होंने 21-18 से जीत हासिल की और निर्णायक गेम में प्रवेश किया। तीसरा गेम हालांकि एकतरफा रहा। लियू की सर्विस ने चिराग को बार-बार परेशान किया और चीनी जोड़ी ने 9-0 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी इंटरवल के समय 3-11 से पीछे थी और इसके बाद वह वापसी करने में नाकाम रही।

आयुष बडोनी का दोहरा शतक, उत्तर क्षेत्र दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचा

बेंगलुरु। आयुष बडोनी के नाबाद दोहरे शतक की मदद से उत्तर क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के चौथे और आखिरी दिन रविवार को यहां पूर्व क्षेत्र को वापसी करने का मौका नहीं दिया और पहली पारी में बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। पहली पारी में 183 रन की बढ़त लेने वाली उत्तर क्षेत्र की टीम ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में दो विकेट पर 388 रन से आगे से की। टीम ने चार विकेट पर 658 रन पर पारी घोषित की तब उसकी बढ़त 833 रन की हो चुकी थी और दोनों कप्तानों ने मैच को ड्रॉ समाप्त करने पर सहमति जता दी। बडोनी 223 गेंद पर 204 रन पर नाबाद रहे जबकि कन्हैया वधावन 23 रन बनाकर नाबाद रहे। बडोनी ने उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाजी जारी रखने के फैसले का पूरा फायदा उठाते हुए प्रथम श्रेणी करियर का दूसर दोहरा शतक पूरा किया। बीते दिन 56 रन पर नाबाद रहे दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने 93 रन के स्कोर पर छक्का जड़ा और फिर एक रन चुरा कर 123 गेंद में अपना शतक पूरा किया। कप्तान अंकित शर्मा दो रन से दोहरा शतक पूरा करने से चूक गये। दिन की शुरुआत 168 रन से करने वाले अंकित 198 रन बनाकर तेज गेंदबाज मुख्तार हुसैन की गेंद को मिड ऑन पर सूरज जायसवाल के हाथों में खेल गए। उन्होंने आउट होने से पहले बडोनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी की। इस विकेट के बाद भी पूर्व क्षेत्र के गेंदबाजों को राहत नहीं मिली। क्रीज पर आए निशांत सिंधू (91 गेंद में 68 रन) ने बडोनी के साथ 157 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को 600 के पार पहुंचा दिया। टीम ने बडोनी का दोहरा शतक पूरा होने के बाद पारी घोषित कर दी। बडोनी ने 13 चौके और तीन छक्के जड़े जबकि सिंधू ने दो चौके और पांच छक्के लगाये। पहली पारी में हैट्रिक सहित 5 विकेट लेने वाले उत्तर क्षेत्र के गेंदबाज आकिब नबी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच ड्रॉ के बाद उत्तर क्षेत्र के कप्तान अंकित ने कहा, 'अगर हम चाहते तो परिणाम के लिए जा सकते थे। पहली पारी में बढ़त के कारण हमने कोशिश नहीं की। हम अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को भी (एशिया कप से पहले) जितना हो सके उतना तरोताजा रखना चाहते थे।'

विराट आने वाले समय में केवल आईपीएल में ही खेलेंगे : पठान

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है आने वाले समय में विराट कोहली केवल आईपीएल में ही खेलते हुए दिखेंगे। इरफान पठान का मानना है कि कोहली और रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती अक्टूबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मैच अभ्यास हासिल करना होगा क्योंकि दोनो ही काफी समय से खेल से दूर हैं। टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के बाद उनके पास केवल आईपीएल और एकदिवसीय में खेलने का अवसर ही है। एकदिवसीय मैच कम होने से इन्हें अभ्यास का कम समय मिला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ असफल रहने पर इनके ऊपर संन्यास लेने का दबाव होगा। पठान ने कहा, 'कोहली और रोहित के लिए एकमात्र चुनौती नियमित क्रिकेट खेलना रहेगा। उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती नियमित रूप से खेलना और फिट रहना होगा। विराट केवल आईपीएल खेलेंगे, और फिर जब भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट होगा, तो उसमें हिस्सा ले सकते हैं। टी20 ने एकदिवसीय को पीछे छोड़ दिया है, इसलिए एकदिवसीय फॉर्मेट के मैचों की संख्या काफी कम हो गई है। ऐसे में दोनों के ऊपर ही दबाव होगा।' 'जहां तक रोहित शर्मा की बात है, मैंने उनसे बात की है और वह फिटनेस को लेकर बहुत उत्सुक हैं। विराट भी ऐसे ही उत्साहित होंगे। खिलाड़ियों के नजर से देखें तो सबसे ज्यादा उनके अंदर खेलने की भूख रखती है। यह उनके बारे में एक बड़ी बात है कि वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।'

आप टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाते थे, पीएम मोदी ने की पुजारा की सराहना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की सराहना करते हुए लिखा कि उनकी दृढ़ खेल शैली टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाती थी। पुजारा ने पिछले रविवार को अपने 103 टेस्ट मैच के शानदार करियर का अंत करते हुए संन्यास की घोषणा की थी।

मोदी ने पुजारा को एक पत्र में लिखा, 'क्रिकेट के छोटे प्रारूपों के प्रभुत्व वाले युग में आप खेल के लंबे प्रारूप की खूबसूरती की याद दिलाते थे। आपके अडिग धैर्य और लंबे समय तक एकाग्रता के साथ बल्लेबाजी करने की क्षमता ने आपको भारतीय बल्लेबाजी क्रम का आधार बनाया।' भारत के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले इस पूर्व बल्लेबाज ने पत्र की प्रति सोशल मीडिया पर पोस्ट की और प्रधानमंत्री को उनके गर्मजोशी भरे शब्दों के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 और 2021 में ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो श्रृंखला जीतने के दौरान पुजारा की अहम भूमिका का जिक्र करते हुए लिखा, 'आपका उत्कृष्ट क्रिकेट करियर उल्लेखनीय कौशल तथा दृढ़ संकल्प के क्षणों से भरा पड़ा है, विशेषकर विदेशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में।' उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए प्रशंसक ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जैसे मौकों को हमेशा याद रखेंगे जब आपने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत के पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतने की नींव रखी थी!' मोदी ने लिखा, 'सबसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमणों में से एक के सामने डटे रहकर आपने दिखाया कि टीम की जिम्मेदारी उठाने का क्या मतलब होता है।' मोदी ने घरेलू क्रिकेट के प्रति पुजारा की प्रतिबद्धता की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''खेल के प्रति आपका जुनून इस बात से भी झलकता है कि एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के बावजूद आपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलना जरूरी समझा, चाहे वह सौराष्ट्र के लिए हो या विदेश में।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'सौराष्ट्र क्रिकेट के साथ आपका लंबा जुड़ाव और राजकोट को क्रिकेट के नक्शे पर लाने में आपका योगदान इस क्षेत्र के हर युवा के लिए अपार गर्व का स्रोत रहेगा।% पुजारा ने अपनी प्रतिक्रिया में लिखा, 'मैं अपने संन्यास पर हमारे माननीय प्रधानमंत्री से प्रशंसा पत्र प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'आपकी भावनाओं की मैं बहुत सराहना करता हूं। अपनी दूसरी पारी में कदम रखते हुए मैं मैदान पर बिताई हर याद और मुझे मिले प्यार और प्रशंसा को संजोकर रखूंगा। धन्यवाद सर।'

पाक ने त्रिकोणीय सीरीज के दूसरे मैच में यूएई को हराया

दुबई। सलमान आगा की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यहां जारी त्रिकोणीय सीरीज का दूसरा मैच भी जीत लिया है। पाक टीम ने पहले ही मैच में अफगानिस्तान को हराने के बाद अपने दूसरे मैच में मेजबान यूएई को भी हरा दिया। पाक टीम ने साइम अयूब और हसन नवाज के अर्धशतक से यूएई के खिलाफ 207 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम यूएई को 176 रनों पर ही आउअ कर 37 रनों से मुकाबला जीत लिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद फखर जमां भी केवल 6 रन बनाकर आउट हो गये। कप्तान सलमान भी 5 रन ही बना पाए। ऐसे में सईम अयूब ने अर्धशतक लगाकर पारी संभाली। उन्होंने 38 गेंदों में चार छक्के और सात चौके लगाकर 69 रन बनाये। अयूब का हसन नवाज ने भी साथ दिया। हसन ने 26 गेंदों में ही 56 रन बनाये। उन्होंने 2 चौके लगाये और छह छक्के मारे. दोनों पे 25 गेंदों पर 57 रन बनाये। वहीं मोहम्मद नवाज और फहीम अशरफ ने निचले अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 207 रनों तक पहुंचाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हमारे अच्छे कर्मों से

खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है– योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

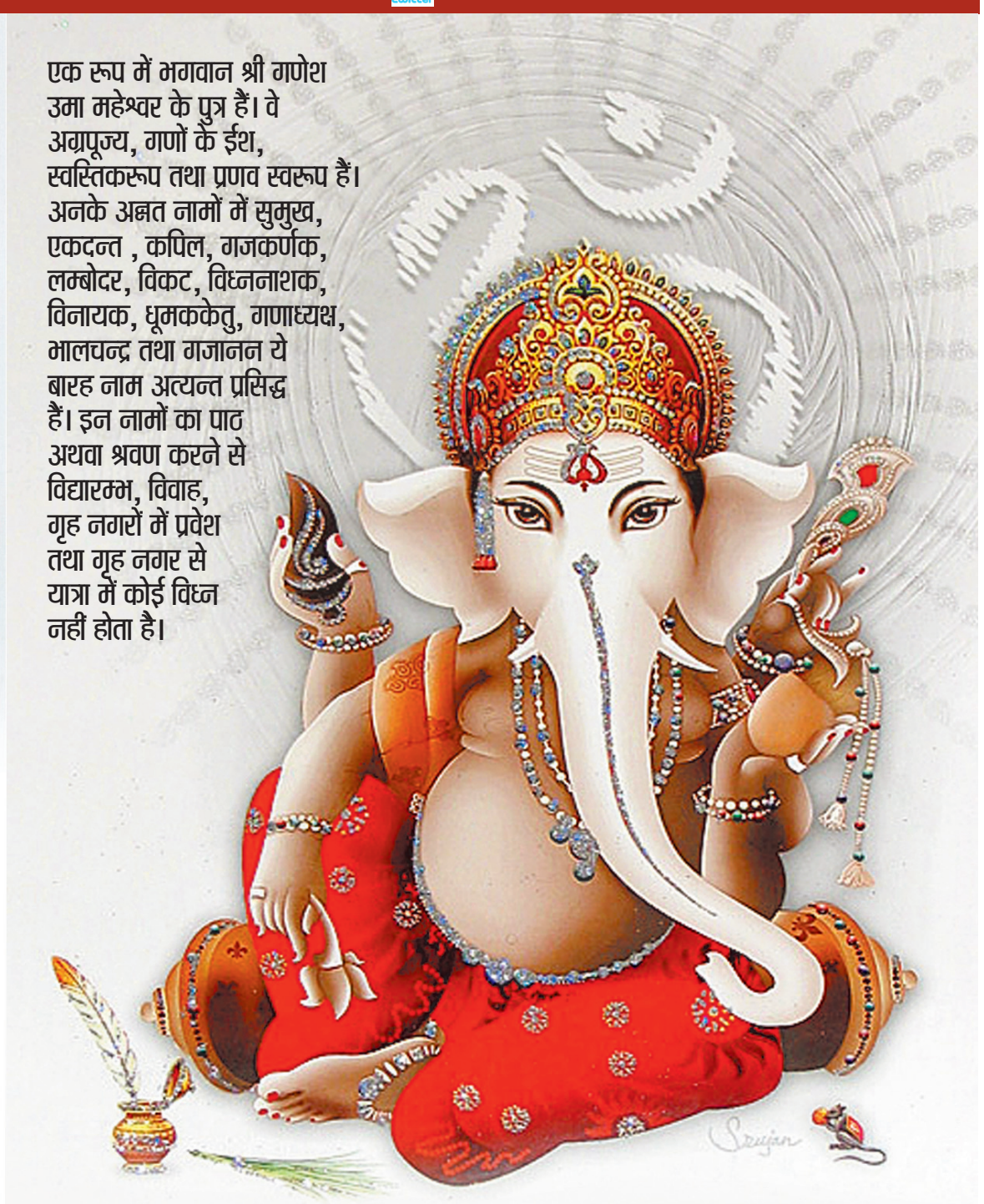

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता

गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफ़ड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं–

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

91-1822-1822

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

700 अप्रवासी बच्चों को वापस भेजने की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के सीनेटर रॉन वायडन ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को बताया कि ट्रंप प्रशासन लगभग 700 ग्वाटेमाला के ऐसे बच्चों को देश से बाहर भेजने की योजना बना रहा है जो अपने माता-पिता के बिना अमेरिका आए थे। सीनेटर वायडन ने यह जानकारी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की ऑफिस ऑफ रिफ्यूजी रिसेटलमेंट की कार्यकारी निदेशक एंजी सालाजार को भेजे एक पत्र में दी। यह दफ्तर उन बच्चों की देखरेख करता है जो बिना अभिभावक के अमेरिका आते हैं। वायडन ने लिखा कि इन बच्चों को वापस भेजना कार्यालय की बाल कल्याण जिम्मेदारी और इस देश की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता का उल्लंघन होगा।

यमन पर इस्राइली हमले में हूती पीएम रक्षा मंत्री व आर्मी चीफ की मौत का दावा

साना, एजेंसी। इस्राइल ने यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों के खिलाफ बड़ा हवाई हमला किया है। हमले में हूती प्रधानमंत्री गालिब अल-रहावी और समूह के रक्षा मंत्री समेत कई सैन्य अधिकारी मारे जाने की आशंका है। हालांकि, हूती नेताओं की मौत पर समूह की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अल रहावी एक साल से हूतियों के कब्जे वाले यमन के प्रधानमंत्री थे। हालांकि, उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली थी। इस्राइली मीडिया ने इसे यमन के हूतियों पर सबसे बड़ा हमला करार दिया है। हमला उस वक्त किया गया जब ये शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। हमले की खबर सबसे पहले हूती समूह से संचालित अल मसीरा टीवी ने दी और फिर रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज और आईडीएफ ने भी हमले की पुष्टि की। यमन के अल-जम्हूरिया चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे, जब उन्हें निशाना बनाया गया। हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी इस हमले में मारे जाने की संभावना है।

सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक को जेल की सजा, सड़क दुर्घटना में लॉ प्रोफेसर की मौत का दोषी

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक को 2023 में एक सड़क दुर्घटना में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के एक वरिष्ठ लॉ प्रोफेसर की मौत के लिए दो साल एक महीने की जेल और 2,000 सिंगापुर डॉलर के जुर्माने की सजा सुनाई। 7 जुलाई, 2023 को, एक निर्माण मजदूर नटराजन मोहनराज (28) ट्रक चलाते समय अपना मोबाइल फोन देख रहा था और उसी वक्त उसके ट्रक ने एमेरिटस प्रोफेसर टैन यॉक लिन (70) की कार से टक्कर मार दी। इस हादसे में प्रोफेसर की इलाज के दौरान मौत हो गई। सिंगापुर के अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नटराजन का लापरवाही से गाड़ी चलाने का इतिहास रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें जून 2023 में 25 जुलाई से पहले अपना लाइसेंस सरेंडर करने का नोटिस जारी किया था, लेकिन लाइसेंस सरेंडर करने की समय सीमा से दो हफ्ते पहले ही दुर्घटना हो गई। दुर्घटना के बावजूद, नटराजन ने 2024 में अपना लाइसेंस रद्द होने के बाद भी दो अलग-अलग मौकों पर दूसरी लॉरी चलाना जारी रखा। सिंगापुर मीडिया की रिपोर्ट में कहा कि अदालत ने मोहनराज को सिंगापुर में आजीवन गाड़ी चलाने से भी प्रतिबंधित कर दिया है।

अमेरिकी कोर्ट का बड़ा फैसला, ट्रंप के अधिकांश टैरिफ को बताया अवैध, राष्ट्रपति बोले- ये फैसला तबाह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में संघीय अपील अदालतों में से एक ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए अधिकांश टैरिफ कानूनों के अनुरूप नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को पुष्टि की कि देशों पर लगाए गए सभी टैरिफ प्रभावी रहेंगे। साथ ही हाल ही में एक अत्यधिक पक्षपातपूर्ण अपील न्यायालय के फैसले को गलत बताया।

ट्रंप ने कहा,सभी टैरिफ अभी भी लागू हैं! आज एक बेहद पक्षपातपूर्ण अपील अदालत ने गलती से कहा कि हमारे टैरिफ हटा दिए जाने चाहिए, लेकिन वे जानते हैं कि अंत में जीत अमेरिका की ही होगी। अगर ये टैरिफ कभी हटा दिए गए तो यह देश के लिए पूरी तरह से विनाशकारी होगा। यह हमें आर्थिक रूप से कमजोर बना देगा, और हमें मजबूत होना होगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी एक संघीय अपील अदालत द्वारा यह फैसला सुनाए जाने के बाद आई है कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम किसी

राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। जैसा कि ट्रंप ने इस वर्ष की शुरुआत में कानून का इस्तेमाल किया था। संघीय सर्किट ने ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए यह बात कही।

सीएनएन के अनुसार न्यायाधीशों ने कहा कि ट्रम्प द्वारा लगाया गया अभूतपूर्व टैरिफ उनकी शक्ति का अतिक्रमण है क्योंकि टैरिफ सहित कर लगाने की क्षमता एक प्रमुख कांग्रेसी शक्ति है जो संविधान विधायी शाखा को प्रदान करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि उनका देश अब बड़े व्यापार घाटे या अन्य देशों द्वारा लगाए गए अनुचित टैरिफ और गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा, अगर इसे ऐसे ही रहने दिया गया तो यह फैसला सचमुच अमेरिका को तबाह कर देगा।

मजदूर दिवस सप्ताहांत से पहले ट्रंप ने अमेरिकी कामगारों और कंपनियों की मदद के लिए टैरिफ के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, हम सभी को याद रखना चाहिए कि टैरिफ हमारे कामगारों की मदद करने और बेहतरीन मेड इन अमेरिका उत्पाद बनाने वाली कंपनियों का समर्थन करने का सबसे अच्छा जरिया है। ट्रंप ने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ लगाने की इजाजत देने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। उन्होंने कहा, कई सालों तक, हमारे बेपरवाह और नासमझ राजनेताओं ने टैरिफ को हमारे खिलाफ इस्तेमाल करने दिया। अब, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की मदद से हम अपने देश के हित में इनका इस्तेमाल करेंगे और अमेरिका को फिर से समृद्ध, मजबूत और शक्तिशाली बनाएंगे! रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने जून में संकेत दिया था कि अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के साथ टैरिफ वार्ता श्रम दिवस तक पूरी हो सकती है, हालांकि कानूनी अनिश्चितता के कारण अब यह समय-सीमा जटिल हो गई है।

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को राष्ट्रपति के कदमों का बचाव किया। प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने विदेशी खतरों से हमारी राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए कांग्रेस द्वारा उन्हें दी गई टैरिफ शक्तियों का वैधानिक रूप से प्रयोग किया। राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ अभी भी प्रभावी हैं और हम इस मामले में अंतिम जीत की आशा करते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार घाटे वाले लगभग साठ देशों या व्यापार समूहों पर नए टैरिफ की एक व्यापक श्रृंखला की घोषणा की। ये लगभग 100 वर्षों में अमेरिका द्वारा की गई सबसे बड़ी टैरिफ वृद्धि थी।

मैंने बहुत लोगों का मुंह तोड़ा, पत्रकार पर भड़के

ऑस्ट्रेलियाई राजनेता ने दी धमकी, खड़ा हुआ विवाद

ब्रिस्बेन , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के राजनेता बॉब कैटर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकार को धमकाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। यह घटना ब्रिस्बेन में क्वीनस्लैंड संसद भवन के बाहर हुई, जहां एक पत्रकार ने बॉब कैटर से उनके लेबनानी मूल को लेकर सवाल पूछा। इस सवाल से कैटर भड़क गए और उन्होंने गुस्से में पत्रकार की ओर मुट्ठी उठाई।

कैटर ने चिल्लाते हुए कहा, अरे यार, ये मत बोलो! क्योंकि ये बात मुझे गुस्सा दिलाती है और मैंने ऐसे कहने वाले लोगों का मुंह तोड़ा है। मत बोलो ऐसा। मेरा परिवार यहां 140 साल से है। उन्होंने आगे कहा, मैंने कई बार लोगों का मुंह तोड़ा है, लेकिन आज खुद को रोक रहा हूं। मत बोलो ऐसा।

एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जब एक दूसरे पत्रकार ने पूछा कि इस सवाल में क्या गलत है, तो कैटर ने जवाब दिया, मैं इस मुद्दे पर बात नहीं कर रहा। मैं एक ऑस्ट्रेलियाई हूं। मेरा परिवार यहां आदिकाल से है। बात खत्म।

हालांकि, धमकाए जाने के बावजूद चैनल 9 के पत्रकार जॉश बावास ने एक और सवाल पूछा। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत लोग हैं जो दूसरे देशों से

आए हैं, जैसे आप और आपका परिवार, और वे अच्छे मूल्यों को साथ लेकर आते हैं। लेकिन कैटर ने उन्हें बीच में रोकते हुए फिर से गुस्से में कहा, ऐसा मत कहो।

तुम नस्लवादी हो। उन्होंने बावास की ओर उंगली दिखाते हुए कहा, तुम नस्लवादी हो। तुमने जो कहा वो एक नस्लवादी बयान है। कैटर ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पत्रकार और चैनल से माफी की मांग की। उन्होंने लिखा, मुझे ऑस्ट्रेलियाई न मानना मेरे लिए बहुत अपमानजनक है। मैं इसके लिए माफी चाहता हूं।

वहीं, पत्रकार जॉश बावास ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को असामान्य बताया। उन्होंने कहा, मैंने बीते बीस वर्षों की पत्रकारिता में ऐसा कभी नहीं देखा। मैं केवल यह पूछना चाह रहा था कि प्रवासी परिवारों ने इस देश में साझा मूल्यों के जरिए क्या योगदान दिया है, जिसमें कैटर और मेरा परिवार भी शामिल है।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी बॉब कैटर की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा, बॉब कैटर मुझे पसंद हैं, लेकिन उन्हें यह वीडियो देखना चाहिए। खुद को देखना चाहिए और समझना चाहिए कि किसी भी ऑस्ट्रेलियाई, खासकर सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जाती। उन्होंने आगे कहा, आप ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं, जिसका नाम अल्बनीज है। हमारे सीनेट नेता का नाम वोंग है। प्रवासन इस देश को समृद्ध करता है। पहले ऑस्ट्रेलियाई (फर्स्ट ऑस्ट्रेलियन) को छोड़कर हम सब या तो प्रवासी हैं या प्रवासियों की संताने की संताने हैं।

थाईलैंड की अदालत ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को किया बर्खास्त, फोन कॉल लीक से जुड़ा है मामला

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को नैतिकता के उल्लंघन के आरोप में शुक्रवार को पद से बर्खास्त कर दिया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार सत्ता में आने के केवल एक साल बाद ही हुई बर्खास्तगी के बाद राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका है। पैतोंगतार्न, थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री थी।

अपने फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने जून में लीक हुए एक टेलीफोन कॉल में नैतिकता का उल्लंघन किया है, जिसमें वह कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन के सामने झुकती हुई दिखाई दीं। जब दोनों देश सशस्त्र सीमा संघर्ष के कगार पर थे। कुछ हफ्तों बाद लड़ाई शुरू हुई और पांच दिनों तक चली। 6-3 के बहुमत से दिए गए फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने अपने निजी हितों को राष्ट्र के हितों से ऊपर रखा और देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

आगे क्या होगा? : पैतोंगतार्न शिनावात्रा 17 वर्षों में संवैधानिक न्यायालय द्वारा हटाई जाने वाली पांचवीं प्रधानमंत्री बनीं। उप-प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और वर्तमान मंत्रिमंडल कार्यवाहक के रूप में तब तक सरकार की देखरेख करेंगे जब तक कि संसद द्वारा नए प्रधानमंत्री का चयन नहीं हो जाता, जिसकी तिथि सदन के अध्यक्ष द्वारा तय की जाएगी। संविधान में निचले सदन की बैठक कब होनी चाहिए, इसकी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं है।

शिनावात्रा परिवार को नुकसान: अदालत के इस फैसले से पार्टियों और अन्य सत्ता-दलालों के बीच सौदेबाजी और खरीद-फरोख्त का रास्ता खुल गया है। जिसका केंद्रबिंदु पैतोंगटार्न के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा हो सकते हैं। क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पास केवल सात सीटों का मामूली बहुमत है, जिसका अर्थ है कि गठबंधन से किसी भी तरह की निष्ठा का बदलाव शिनावात्रा राजनीतिक परिवार के लिए महंगा पड़ सकता है।

अमेरिका की संसदीय समिति का चीन पर सख्त रुख एआई चिप निर्यात पर नई रणनीति लागू करने की सिफारिश की

वॉशिंगटन, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की विशेष संसदीय समिति के अध्यक्ष जॉन मूलनार ने वाणिज्य विभाग के सचिव हावर्ड लटकनिक को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने चीन को निर्यात की जाने वाली एआई चिप पर रोलिंग टेक्निकल थ्रेशोल्ड (आरटीटी) रणनीति लागू करने की सिफारिश की है। मूलनार मिशिगन राज्य से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद हैं।

इस रणनीति का मकसद यह है कि चीन को जो एआई चिप निर्यात किए जाएं, वे उन चिप से थोड़े बेहतर हों जिन्हें चीन खुद अपने देश में बड़े पैमाने पर बना सकता है। इस तरह अमेरिका अपनी तकनीकी बढ़त बनाए रख सकेगा। साथ ही, इस रणनीति का एक और लक्ष्य यह है कि चीन की कुल एआई कंप्यूटिंग शक्ति अमेरिका की तुलना में केवल 10 तक सीमित रहे, ताकि अमेरिका लंबे समय तक एआई में अग्रणी बना रहे। मूलनार ने पिछले महीने एनवीडिया कंपनी के एच20 जैसे चिप के चीन निर्यात पर नाराजगी जताई थी। ऐसे चिप चीन में बड़े पैमाने पर नहीं बना पाता है और ये चीन में बने चिप की तुलना में काफी उन्नत माने जाते हैं।

संसदीय समिति की अप्रैल 2025 की डीपसीक पर रिपोर्ट के अनुसार, इन चिप ने चीन के सबसे उन्नत एआई मॉडल आर1 को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। मूलनार ने पत्र

में लिखा है, हमने कई बार देखा है कि चीन अपनी तकनीक और हथियार रूस, ईरान और अन्य दुश्मन को देता है, जिससे अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले होते हैं। खासकर ईरान, चीन की एआई क्षमताओं का लाभ उठाने को तैयार बैठा है।

उन्होंने आगे कहा कि डीपसीक द्वारा चीनी सेना के लिए खास तौर पर तैयार किया गया आर1 मॉडल अब चीन की सैन्य क्षमताओं में एक विकल्प के रूप में शामिल हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर चीन ऐसे एआई-सक्षम ड्रोन के झुंड ईरान को बेचता है, जिनमें खुद-ब-खुद चलने की क्षमता, आपस में जुड़ने की क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक और लक्ष्य पहचान जैसी खूबियां हों, तो ये अमेरिका या इस्राइल की सेनाओं के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मौजूदा सुरक्षा प्रणाली शायद इन तकनीकों का मुकाबला आसानी से नहीं कर पाएगी।

आरटीटी रणनीति का मकसद यह है कि चीन अमेरिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर निर्भर बना रहे, लेकिन उसकी एआई तकनीक सीमित रहे। संसदीय समिति के अनुसार, इससे अमेरिका की बढ़त बनी रहेगी। इससे पहले मूलनार ने तकनीकी रणनीति पर काम करने वाले क्रैक इंस्टीट्यूट में अपने संबोधन में कहा था कि सेमीकंडक्टर, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग केवल आर्थिक संसाधन नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, कूटनीति और वैश्विक प्रभाव बनाए रखने के लिए भी बेहद जरूरी है।

आयरिश मिशनरी समेत आठ लोग एक महीने बाद रिहा, अनाथालय पर हमले के दौरान किया गया था अगवा

पोर्ट-ओ-प्रिंस , एजेंसी। आयरलैंड की एक मिशनरी और तीन साल एक बच्चा उन आठ लोगों में शामिल हैं, जिन्हें हैती में बंदूकधारियों ने शुक्रवार को रिहा कर दिया। इन सभी को तीन अगस्त को एक अनाथालय पर हमले के दौरान अगवा कर लिया गया था। अधिकारियों और पीड़ितों के परिजनों ने उनकी रिहाई की पुष्टि की है।

गिना हेरेटी नाम की यह मिशनरी 1993 से हैती में काम कर रही हैं। वह सेंट-हेलीन अनाथालय में विशेष जरूरतों वाले बच्चों और वयस्कों के लिए चलाए जा रहे एक कार्यक्रम की निदेशक हैं। उनके परिवार ने कहा, हमारे पास इस राहत को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। हम हर उस व्यक्ति का धन्यवाद करते हैं, जिसने हमारी मदद की। हम हैती के लोगों के लिए शांति और सुरक्षा की कामना करते हैं, जो लगातार हिंसा से पीड़ित हैं।

आयरलैंड के उप-प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने एक्स इस रिहाई की पुष्टि की। हालांकि, हैती की सरकार ने इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। गिना हेरेटी और अन्य सात लोगों को जिस अनाथालय से अगवा किया गया था, वह नोस पेटी फ्रेरे ए सूर्स नाम के एक अंतरराष्ट्रीय चैरिटी संस्था की ओर से संचालित किया जाता है, जिसके कार्यालय मेक्सिको और

फ्रांस में हैं। संस्था की वेबसाइट के अनुसार, यह अनाथालय 240 से अधिक बच्चों की देखभाल करता है।

इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन यह इलाका विव अंसम नाम के गिरोह के नियंत्रण में है, जिसे अमेरिका ने इस साल विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। गुरुवार को अमेरिका ने कहा कि वह हैती में हिंसा से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र से एक नई गिरोह नियंत्रण बल चाहता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह बल पहले से तैनात केन्या के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल से अलग होगा या उसी का हिस्सा रहेगा।

हैती में लगातार हिंसा बढ़ रही है। राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस का अधिकांश हिस्सा अब गिरोहों के कब्जे में है। अपहरण की घटनाएं आम हो गई हैं और मिशनरियों को पहले भी निशाना बनाया गया है। वर्ष 2021 में 400 मावोजो नाम के गिरोह ने राजधानी के पास स्थित गंथियर इलाके से अमेरिका की एक संस्था के 17 मिशनरियों को अगवा कर लिया था, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल थे। इनमें से ज्यादातर को 61 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया था।

शांति बहाली में तेजी लाने की कवायद, जेलेंस्की फिर ट्रंप से मिलेंगे ; रूस पर लगाए आरोप

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन बीच तीन साल से चल रहे संघर्ष में स्थिति दिन प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। शांति वार्ता को लेकर चल रहे प्रयास भी धूमिल होते हुए दिख रहे है। ऐसे में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय नेताओं से अगले हफ्ते मुलाकात करना चाहता है ताकि रूस के साथ चल रही तीन साल की जंग को खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा की जा सके। इस दौरान जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया कि वह शांति वार्ता में कोई गंभीर पहल नहीं कर रहा, बल्कि अब भी यूक्रेन के आम इलाकों पर हवाई हमले कर रहा है।

यूक्रेन राष्ट्रपति कार्यालय प्रमुख आंद्रेई यरमाक ने न्यूयॉर्क में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य है कि वॉशिंगटन समिट में बनी सहमति को लागू किया जाए और कूटनीति को आगे बढ़ाया जाए। यरमाक ने बताया कि पुतिन इस महीने अलास्का में ट्रंप से मुलाकात के बाद भी शांति वार्ता में रुचि नहीं दिखा रहे। उन्होंने कहा कि रूस युद्ध रोकने के लिए जरूरी किसी भी कदम को नहीं मान रहा और जानबूझकर स्थिति को लटकाए रख रहा है।जेलेंस्की ने कहा कि अगले हफ्ते यूरोपीय नेताओं के साथ कई मुलाकातें अलग-अलग जगहों पर होंगी। यूक्रेन ने अमेरिका के सीजफायर प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और जेलेंस्की-पुतिन बैठक के लिए तैयार है, लेकिन रूस ने कुछ आपत्तियां जताई हैं। बता दें कि यूक्रेन ने अब तक कतर, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, स्विट्जरलैंड और अमेरिका में शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

अमेरिका ने कैंसिल किया फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास का वीजा

अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक से पहले फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और 80 अन्य अधिकारियों के वीजा रद कर दिए हैं। फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने इस कदम को अंतर्राष्ट्रीय कानून के विरुद्ध बताया है।

विदेश विभाग के एक अधिकारी ने, जिन्होंने आमतौर पर गोपनीय रहने वाले वीजा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने शुक्रवार को खुलासा किया कि अब्बास और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के अन्य अधिकारी नए वीजा प्रतिबंधों से प्रभावित लोगों में शामिल हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र मिशन में नियुक्त फिलिस्तीनी प्रतिनिधियों को छूट दी गई है। यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा फिलिस्तीनियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने के लिए उठाए गए कदमों की श्रृंखला में बिल्कुल नया है। साथ ही यह ऐसे समय में आया है जब इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। कुछ रुढ़िवादियों द्वारा सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन के बाद, विदेश विभाग ने उस कार्यक्रम को भी निलंबित कर दिया, जिसके तहत गाजा से घायल फिलिस्तीनी बच्चों को इलाज के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी गई थी।

विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि रुबियो ने फिलिस्तीनी अधिकारियों, जिनमें फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं, के कुछ नए वीजा आवेदनों को भी अस्वीकार करने का आदेश दिया है।

बयान में कहा गया है, यह हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हित में है कि पीएलओ और पीए को अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन न करने और शांति की संभावनाओं को कमजोर करने के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। इसमें कहा गया है कि शांति के लिए भागीदार माने जाने के

लिए, इन समूहों को अमेरिकी कानून और पीएलओ के वादे के मुताबिक, आतंकवाद का लगातार खंडन करना होगा और शिक्षा में आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद करना होगा।

फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने वीजा वापसी की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के मेजबान देश के रूप में अमेरिकी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन बताया और विदेश विभाग से अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया। इसने एक बयान में कहा कि फिलिस्तीनी राष्ट्रपति कार्यालय ने वीजा संबंधी इस फैसले पर गहरा खेद और आश्चर्य व्यक्त किया है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून और मुख्यालय समझौते का उल्लंघन करता है। खासकर इसलिए क्योंकि फिलिस्तीन राज्य संयुक्त राष्ट्र का एक पर्यवेक्षक सदस्य है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि विश्व निकाय विदेश विभाग से स्पष्टीकरण मांगेगा। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि सभी सदस्य देशों, स्थायी पर्यवेक्षकों का प्रतिनिधित्व हो। विदेश विभाग ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी प्राधिकरण मिशन में नियुक्त प्रतिनिधियों को संयुक्त राष्ट्र के साथ अमेरिकी मेजबान देश समझौते के तहत छूट दी जाएगी, ताकि वे न्यूयॉर्क स्थित अपने अभियान जारी रख सकें। ट्रंप प्रशासन ने उन लोगों पर कड़ी कार्रवाई की है जिनके पास अमेरिका आने की कानूनी अनुमति है, और कई बार रद्द किए गए वीजा के बारे में कभी विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी जारी करने के मानकों में ढील दी गई है, ताकि सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी जा सके। उदाहरण के लिए, विदेश विभाग के दूसरे सबसे वरिष्ठ राजनयिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जब अमेरिका ने ब्रिटिश पंक-रैप जोड़ी बॉब वायलन के वीज़ा रद्द कर दिए थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्होंने भीड़ को इजराइली सेना के लिए मौत के नारे लगाने के लिए प्रेरित किया था। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि अब्बास ने संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की योजना बनाई थी। साथ ही उनसे महासभा को संबोधित करने की उम्मीद की जा रही थी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी से लेकर थाईलैंड तक उठी थी मांग

मौर्य और सम्राट अशोक के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले शामिल हिस्ट्रीशीटर आशीष तिवारी गिरफ्तार

16 गंभीर मामलों में आरोपी आशीष तिवारी ने मौर्य के खिलाफ की थी आपत्तिजनक पोस्ट

हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और वसूली जैसे अपराधों में लिप्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रायबरेली के सलोन थाना क्षेत्र के मटका गांव के हिस्ट्रीशीटर आशीष तिवारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सोशल मीडिया पर फेसबुक लाइव के माध्यम से मौर्य समाज और चक्रवर्ती सम्राट अशोक मौर्य के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहा था। रायबरेली पुलिस ने सोशल मीडिया पर जातीय विद्वेष फैलाने के आरोप में उसे पकड़कर जेल भेज दिया है। सलोन पुलिस ने आरोपी को 31 अगस्त को गिरफ्तार किया था। इस मामले में उत्तर प्रदेश से लेकर थाईलैंड तक मौर्य समाज के लोगों ने गिरफ्तारी की मांग की थी। रायबरेली के गौरा बाजार में विभिन्न जिलों से आए मौर्य समाज के लोगों ने धरना-प्रदर्शन भी किया।

सीओ अमित सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सलोन कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। साथ ही सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वाले अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

चेरशाह गांव का रहने वाला आशीष तिवारी पहले से ही कुख्यात अपराधी है। उस पर **अब तक 16 गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और खंडणी वसूली जैसे मामले शामिल हैं।**

2015 में उस पर हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था।

2017 में दो अलग-अलग अपहरण के मामले सामने आए।

इसके अलावा आर्म्स एक्ट और गुंडा एक्ट के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है।

आरोपी पर पुलिसकर्मियों पर हमला करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले भी दर्ज हैं।

पुलिस परेड ग्राउंड से 1500 से अधिक साइकिलिस्टों ने मूसलधार बारिश में 13 किलोमीटर साइकिल चलाकर 'फिट इंडिया' का संदेश दिया

साइक्लोथॉन को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने फ्लैग ऑफ कर रवाना किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूचना ब्यूरो - सूरत- रविवार :राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में राज्य के खेल, युवा और सांस्कृतिक गतिविधि विभाग- गांधीनगर के मार्गदर्शन में सूरत महानगरपालिका, सूरत शहर पुलिस और जिला प्रशासन के संयुक्त उपक्रम से पुलिस परेड ग्राउंड से 'संडे ऑन साइकिल' साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इसका फ्लैग ऑफ केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने किया। इस अवसर पर सांसद मुकेशभाई दलाल और मेयर दक्षेशभाई मावाणी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

'स्वस्थ गुजरात, मोटापा-मुक्त गुजरात' के संदेश के साथ सूरतवासियों ने तड़के सुबह मूसलधार बारिश में पुलिस परेड ग्राउंड से 'Y' जंक्शन होते हुए वापस पुलिस परेड ग्राउंड तक 13 किलोमीटर की साइक्लोथॉन पूरी की। इसमें 1500 से अधिक साइकिलिस्टों ने 'फिट इंडिया' का संदेश दिया। इस दौरान नागरिकों, युवाओं और अधिकारियों ने अपने दैनिक जीवन में व्यायाम को शामिल करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी, म्युनिसिपल कमिश्नर शालिनी अग्रवाल और पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत सहित पुलिस अधिकारियों ने भी साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवनशैली के लिए साइकिल का नियमित उपयोग करने की प्रेरणा दी।

नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और साइक्लिंग के अनेक फायदों को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित इस साइक्लोथॉन में शामिल सभी लोगों ने फिट इंडिया की शपथ ली। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करना और उन्हें स्वास्थ्यप्रद जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर विधायक मोहनभाई ढोडिया, उपमहापौर डॉ. नरेंद्र पाटिल, स्थायी समिति अध्यक्ष राजन पटेल, शहर संगठन अध्यक्ष परेशभाई पटेल, मनपा तथा पुलिस अधिकारी, पदाधिकारी-अधिकारी, बच्चे, बुजुर्ग, योगप्रेमी, विद्यालयों के विद्यार्थी और बड़ी संख्या में साइकिलिस्ट शामिल हुए।

जिला कलेक्टर, म्युनिसिपल कमिश्नर और पुलिस कमिश्नर ने साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवनशैली के लिए नियमित साइकिल उपयोग की प्रेरणा दी

सूरतवासियों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित कर स्वास्थ्यप्रद जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी गई

संडे ऑन साइकिल': राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य मे साइक्लोथॉन का आयोजन

लाल बाग के राजा को पहनाए गए वस्त्र

कैलासनगर गणेश मंडप में श्रीजी के साथ दर्शन के लिए रखे गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई जाकर लालबाग के राजा के दर्शन न कर पाने वाले श्रीजी के भक्तों के लिए सूरत के कैलासनगर में पिछले कुछ समय से लालबाग के राजा की प्रतिमा बनाने वाले कलाकार से प्रतिमा तैयार कराई जाती है। इस वर्ष गणेश भक्तों के लिए खास बात यह रही कि लालबाग के राजा को पहनाए गए वस्त्र भी दर्शनार्थ रखे गए हैं, जिसके चलते बरसाती मौसम होने के बावजूद श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े।

भारत में गणेशोत्सव में मुंबई के लालबाग के राजा का विशेष महत्व है और सूरत से भी हजारों लोग उनके दर्शन के लिए जाते हैं। लेकिन जो लोग वहां नहीं जा पाते, उनके लिए सूरत के कैलासनगर गरबा चौक में साई युवक मंडल द्वारा विशेष आयोजन किया जाता है। यह मंडल हर साल लालबाग के राजा की प्रतिमा बनाने वाले संतोष कामली से हूबहू प्रतिमा बनवाकर उसकी स्थापना करता है।

मंडल के परिमल सौरठिया ने बताया कि इस वर्ष लालबाग के राजा जैसी प्रतिमा के साथ-साथ उनके द्वारा पहने गए वस्त्र भी दर्शनार्थ रखे गए हैं। हर साल इन वस्त्रों की नीलामी होती है। वर्ष 2018 में बाप्पा को पहनाए गए पीताम्बर, शाल, कमर पट्टा और जांभिया सहित के वस्त्र सूरत के एक गणेश भक्त ने खरीदे थे।

उन्होंने ये वस्त्र अन्य भक्तों को भी दर्शन करवा सकें, इसके लिए उपलब्ध कराए हैं।

मंडल के दर्शनभाई ने कहा कि इस गणेशोत्सव में बाप्पा की भक्ति के साथ-साथ सामाजिक कार्य भी किए जाते हैं। रक्तदान शिविर और अन्य सामाजिक गतिविधियाँ भी मंडल द्वारा आयोजित की जाती हैं।

सूरत में अधिकतर गणेश मंडप दिन में बंद रहते हैं और शाम को दर्शन के लिए खोले जाते हैं। लेकिन कैलासनगर में ऐसा आयोजन किया गया है कि यहाँ बाप्पा के दर्शन के लिए 24 घंटे द्वार खुले रहते हैं।

शहर में गणेशोत्सव के दौरान सुबह आरती के बाद कई मंडप बंद कर दिए जाते हैं और शाम की आरती के बाद ही दर्शन के लिए खोले जाते हैं।

लेकिन कैलासनगर गरबा चौक में लालबाग के राजा जैसी प्रतिमा की स्थापना की गई है, जहाँ 24 घंटे दर्शन का आयोजन किया गया है।

मंडल के अर्जुन सौरठिया ने कहा कि जो लोग मुंबई नहीं जा सकते, वे सिर्फ सूरत ही नहीं बल्कि पूरे दक्षिण गुजरात से यहाँ दर्शन के लिए आते हैं। पहले अन्य मंडलों की तरह हम भी रात में दर्शन बंद कर देते थे,

लेकिन दूर-दराज से आने वाले भक्त निराश हो जाते थे। इसलिए अब यहाँ 24 घंटे दर्शन की व्यवस्था की गई है।

इस कारण सुबह 6 बजे नौकरी पर जाने वाले भक्त, रात 2 बजे नौकरी से लौटने वाले लोग या फिर देर रात और तड़के तक आने वाले भक्त भी आराम से दर्शन कर सकते हैं।

सूरत गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में गणेश आरती पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत सहित प्रोफेसरों और विद्यार्थियों ने लिया आरती का लाभ।

साचिन की "C" टीम द्वारा पारडी स्थित प्राथमिक विद्यालय में गुड टच-बैड टच,सेल्फ डिफेंस अपराधों को रोकने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

साचिन पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर श्री पी.एन. वाघेला साहेब के मार्गदर्शन में साचिन की च्छ्ज्ज टीम द्वारा पारडी स्थित प्राथमिक विद्यालय में गुड टच-बैड टच, सेल्फ डिफेंस तथा स्कूलों के अंदर और बाहर बढ़ते अपराधों को रोकने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में "C" टीम की WPC जिग्नेशाबेन कनुभाई और WPC वर्षाबेन नारनभाई उपस्थित रहीं। साचिन होमगार्ड यूनिट में सेवाएँ दे रहे प्लाटून कमांडर एवं मुख्यमंत्री पदक विजेता श्री प्रकाशकुमार द्वारकाप्रसाद मौर्य ने बच्चों को प्रशिक्षण के साथ-साथ उपयोगी जानकारी भी दी।

उन्होंने बच्चों और बच्चियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया और विशेष रूप से बच्चियों को यह सिखाया कि यदि कोई छेड़छाड़ करता है तो स्वयं की सुरक्षा कैसे करनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने बच्चों को बताया कि अब से किसी भी आपात स्थिति में डायल 112 का उपयोग करना है।

कार्यक्रम में "No Drugs" के नारे के साथ बच्चों को नशे की लत से दूर रहने की प्रेरणा दी गई। विद्यालय के आचार्यश्री और शिक्षकगण भी उपस्थित रहकर छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे थे।

सचिन होमगार्ड यूनिट

परेड के दौरान सचिन होमगार्ड यूनिट द्वारा वृक्ष वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सचिन होमगार्ड यूनिट ऑफिसर कमांडिंग, डिवीजनल कमांडर श्री थॉमस माइकल पठारे, प्लाटून कमांडर श्री प्रकाशकुमार मौर्य और NCO/होमगार्ड सदस्य उपस्थित रहे। सचिन विभाग शिक्षा मंडल द्वारा संचालित एल.डी. हाई स्कूल में सुबह आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक सहभागी को एक-एक पौधा प्रदान किया गया। इस अवसर पर आई.सी. नायक प्राथमिक विद्यालय के आचार्य श्री संदीपभाई वाघ और कलर टेक्स इंग्लिश मीडियम स्कूल के आचार्य श्री हिरेनभाई पटेल ने मिलकर होमगार्ड साथियों को एक-एक पौधा भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया।